दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

MPHIN/2021/83938

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 306 | ग्वालियर सोमवार, 28 अगस्त 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

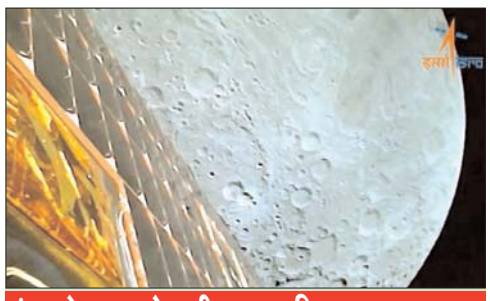

चंद्रमा के साउथ पोल की सतह पर कितना रहता तापमान

चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने किया खुलासा

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने 23 अगस्त को चांद के साउथ पोल की सतह पर चंद्रयान-3 को उतार दिया है. अब विक्रम लैंडर और प्रज्ञान ने दक्षिणी ध्रुव पर अपना कार्य करना शुरू कर दी है. दोनों वहां की सतही संरचना की जानकारी जुटाकर इसरो को भेज रहा है. विक्रम लैंडर ने इसरो को साउथ पोल की मिट्टी और तापमान का डेटा भेजा है. इसरो ने रविवार को ङ्क (पहले ट्विटर) पर तापमान का अपडेट शेयर किया है. विक्रम लैंडर में एक तरह का थर्मामीटर चास्टे नामक यंत्र लगाकर भेजा गया है. चंद्रयान के विक्रम लैंडर में लगे इस पेलोड का कार्य चांद की सतह, उसके ऊपर और 10 सेंटीमीटर नीचे तक का तापमान नापना है. इसरो के पास चास्टे की पहली रिपोर्ट आई है. इसे लेकर इसरो ने ट्वीट कर बताया कि विक्रम लैंडर पर चास्टे (चांद का सतह थर्मोफिजिकल प्रयोग) पेलोड से पहला अवलोकन किया गया है. इसरो ने ट्वीट के साथ एक ग्राफ भी जारी किया है. प्रस्तुत ग्राफ विभिन्न गहराई पर चंद्रमा की सतह/सतह के तापमान में भिन्नता को दर्शाता है, जैसा कि जांच के प्रवेश के दौरान दर्ज किया गया था. चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के लिए यह पहली ऐसी प्रोफाइल है, जिसका विस्तृत अवलोकन किया जा रहा है. आपको बता दें कि विश्वभर में भारत पहला ऐसा देश है, जिसके चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर पर लगे चास्टे इसरो को जानकारी भेज रहा है और उसे दुनिया के सामने रखा भी जा रहा है.

नूंह में ब्रजमंडल यात्रा की अनुमति नहीं

नूंह। हरियाणा के नूंह-मेवात में पिछले महीने 31 जुलाई को ब्रजमंडल शोभायात्रा को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसा हो गई थी. हिंसा की वजह से धार्मिक यात्रा अधूरी रह गई थी, जिसे पूरा करने का सर्व हिंदू संगठन ने ऐलान किया है. हिंदू संगठन की ओर से 28 अगस्त को ब्रजमंडल यात्रा निकाली जाएगी, इसे लेकर प्रशासन सख्त है. प्रशासन ने हिंदू संगठन को धार्मिक यात्रा की अनुमति नहीं है और इसे रोकने के लिए कई कड़े इंतजाम भी किए हैं. नूंह में विश्व हिंदू परिषद की यात्रा को लेकर दक्षिण रेंज रेवाड़ी के आईजी राजेंद्र कुमार ने बताया कि प्रशासन की तरफ से अभी तक कोई अनुमति नहीं दी गई है. हम आपसी समझा बुझाकर सब कुछ नियंत्रित करने की कोशिश भी कर रहे हैं. कानून-व्यवस्था के लिए तैनाती की जा चुकी है. आपको बता दें कि इससे पहले पुलिस ने पूरे जिले की इंटरनेट सेवाएं बंद करके ब्रजमंडल यात्रा के मद्देनजर नूंह जिले की सीमाओं को सील कर दिया गया है. हरियाणा पुलिस राज्य से 5 राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ संपर्क में है, ताकि इन राज्यों से मेवात में बाहरी लोग शामिल ना हो सके. साथ ही शांति-व्यवस्था बनाए रखने को 57 स्पेशल ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं. बार्डर पर राज्य की पुलिस के साथ पैरामिलिट्री फोर्सेज के जवान भी तैनात रहेंगे. जिले में सोमवार को स्कूल-कॉलेज और बैंक बंद रहेंगे. कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हरियाणा पुलिस के 1900 जवानों और सीनियर अफसरों के अलावा पैरामिलिट्री फोर्सेज की 26 कंपनियां तैनात रहेंगी.

चुनावी साल में सीएम ने खोला पिटारा

राखी के लिए बहनों को 250 रुपये 450 रुपये में मिलेंगे गैस सिलेंडर

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनावी साल में लाडली बहनों के लिए पिटारा खोल दिया है. सीएम शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को अपनी सरकार की लाडली बहना योजना के तहत किए गए सम्मेलन में ऐलान किया कि सावन के महीने में रसोई गैस सिलेंडर सिर्फ 450 रुपए में मिलेंगे. साथ ही रक्षा बंधन के लिए 250 रुपये देने की घोषणा की है. प्रदेश की महिलाओं को हर महीने मिलने वाली राशि बढ़ाकर 1250 रुपए कर दी है. इससे पहले लाडली बहना योजना का लाभ उठाने वाली महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दी जा रही थी. लाडली बहना सम्मेलन में शिवराज ने कहा कि प्रदेश में नशे की प्रवृत्ति की रोकथाम के लिए अगले साल से नई शराब नीति बनाने का ऐलान किया. बहनें जहां नहीं चाहेंगी, वहां पर शराब की दुकान नहीं खुलेगी.

आरक्षण पर बड़े ऐलान करते हुए सीएम ने कहा कि अभी तक पुलिस विभाग में महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण मिलता था, लेकिन अगले साल से यह बढ़कर

35 फीसदी हो जाएगा. सीएम ने आगे कहा कि शिक्षकों की भर्ती में महिलाओं का आरक्षण 50 प्रतिशत किया जाएगा. इसके अलावा सरकारी भर्तियों में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा. लाडली बहन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बढ़े हुए बिजली के बिलों की वसूली नहीं की जाएगी. सितंबर में बढ़े हुए बिलों को जीरो कर दिया जाएगा. गरीब बहनों का बिजली बिल महीने में सिर्फ 100 रुपए ही आए, उसका भी इंतजाम किया जाएगा. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वो बहनें जिनके पास रहने की जमीन नहीं है. उन्हें गांव में मुफ्त में जमीन दिया जाएगा और शहर में माफिया से खाली कराई गई जमीन पर घर बनाकर उनकी रजिस्ट्री उन्हीं के नाम की जाएगी. मध्य प्रदेश में पांच करोड़ 39 लाख मतदाता है. नई मतदाता सूची में 13 लाख 39000 मतदाता जुड़े हैं. इनमें महिलाओं की संख्या 7 लाख 7 हजार से अधिक है. इस प्रकार सरकार की योजनाओं का असर महिलाओं की मतदाता सूची पर भी साफ तौर पर देखा जा सकता है.

अमित शाह का बीआरएस वाले किसी तरह के समझौते से इनकार

खम्मम (तेलंगाना)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और एआईएमआईएम के साथ किसी भी तरह के समझौते की संभावना से इनकार किया और आरोप लगाया कि बीआरएस का कांग्रेस के साथ गुप्त समझौता है। शाह ने यहां एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए परिवार शासन को लेकर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना की और विश्वास जताया कि भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ तेलंगाना में सरकार बनाएगी। उन्होंने एआईएमआईएम के साथ दोस्ती के लिए केसीआर की भी आलोचना की और दोहराया कि कार का स्टीयरिंग (बीआरएस चुनाव चिह्न) औवैसी के हाथ में है। यह कहते हुए कि केसीआर की सरकार जाने वाली है, भाजपा नेता ने विश्वास जताया कि पार्टी तेलंगाना में सत्ता में आएगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा शनिवार को तेलंगाना में एक सार्वजनिक बैठक में लगाए गए आरोप कि बीआरएस और भाजपा के बीच समझौता है, पर अमित शाह ने कहा कि भाजपा कभी भी बीआरएस या ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के साथ नहीं जाएगी। उन्होंने कहा, भाजपा एआईएमआईएम के साथ मंच भी साझा नहीं कर सकती। शाह ने आरोप लगाया कि केसीआर भाजपा नेताओं के खिलाफ दमनकारी कदम

उठा रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि वे उनके खिलाफ आवाज नहीं उठाएंगे। उन्होंने दावा किया कि केसीआर अपने बेटे केटीआर को अगला मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, न तो केसीआर और न ही केटीआर सीएम बनेंगे। अगला सीएम भाजपा का होगा। उन्होंने कांग्रेस, बीआरएस और एआईएमआईएम को पारिवारिक पार्टियां करार दिया। शाह ने कहा, ÷कांग्रेस एक 4जी पार्टी है। यह चार पीढ़ियों की पार्टी है। बीआरएस एक 2जी पार्टी है। एआईएमआईएम एक 3जी पार्टी है। तेलंगाना में न तो 2जी, न ही 3जी, और न 4जी सत्ता में आएगी। केसीआर सरकार को किसान विरोधी, दलित विरोधी, महिला विरोधी और युवा विरोधी करार देते हुए अमित शाह ने लोगों से इसे जड़ से उखाड़ने और भाजपा को सत्ता में लाने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि केसीआर गरीबों के लिए घर और बेरोजगारों के लिए बेरोजगारी भत्ते के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहे। उन्होंने कोई भी वादा पूरा नहीं किया है। ओवैसी के साथ दोस्ती के लिए केसीआर पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता ने कहा कि बीआरएस नेता ने उन स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को चकनाचूर कर दिया है जिन्होंने तेलंगाना की मुक्ति के लिए लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने पूछा, क्या शहीदों ने इसलिए अपना जीवन बलिदान किया ताकि केसीआर रजाकारों के साथ बैठें।

राजस्थान तेल ब्लॉक मामले में मध्यस्थता न्यायाधिकरण का फैसला वेदांता के पक्ष में

नई दिल्ली। राजस्थान तेल ब्लॉक मामले में वेदांता लिमिटेड को मध्यस्थता न्यायाधिकरण से उसके पक्ष में डिक्री मिल गई है। वेदांत ने शेयर बाजार को बताया, 23 अगस्त 2023 को एक मध्यस्थता फैसला कंपनी के पक्ष में हुआ है, जिसमें कंपनी के इस तर्क को बरकरार रखा गया है कि राजस्थान ब्लॉक में विकास क्षेत्रों और कुछ अन्य मामलों में हाइड्रोकार्बन महानिदेशक (डीजीएच) ऑडिट अपवादों के कारण अतिरिक्त पेट्रोलियम लाभ पर उत्पादन साझेदारी अनुबंध के तहत देनदारी नहीं बनती है। रिपोर्टों के अनुसार, सरकार ने बाड़मेर में तेल ब्लॉक के लिए अपने लाइसेंस को नवीनीकृत करते समय कंपनी से लाभ का अतिरिक्त हिस्सा मांगा था, जिसके बाद वेदांता ने मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की थी।

हिमाचल प्रदेश में लकड़ी की तस्करी रोकने के लिए वन चौकियों पर ही बनेंगे पुलिस पोस्ट

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को लकड़ी की तस्करी को रोकने के लिए वन चौकियों को पुलिस चौकियों के साथ एकीकृत करने का निर्देश जारी किया। मुख्यमंत्री ने यहां वन विभाग की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए एकीकृत चौकियों पर सीसीटीवी सर्विलांस सहित एडवांस टेक्नोलॉजी की इंस्टॉलेशन पर जोर दिया। सीएम ने कहा कि लकड़ी की तस्करी से सरकार को राजस्व की हानि होती है और वन विभाग को अवैध व्यापार पर लगाम लगाने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए। हिमाचल के जंगल उत्तरी भारत के फेफड़ों की तरह काम करते हैं। इसके अलावा पेड़ राज्य के लिए अत्यधिक मूल्यवान संपत्ति हैं। हालांकि, मूसलाधार बारिश ने उन्हें काफी क्षति पहुंचाई है, जिससे भारी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने वन विभाग द्वारा जंगलों से उखाड़े गए पेड़ों को तुरंत हटाने और उनका उचित निपटान सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। सीएम ने पांच वन मंडलों- ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, नालागढ़ और कुटलैहड़ में खैर के पेड़ों की कटाई की कार्य योजनाओं की भी समीक्षा की।

सागर में बेटे को पीट-पीट कर हत्या, मां को निर्वस्त्र कर की पिटाई

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में दलित युवक को पीट-पीटकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. इतना ही नहीं अपने बेटे को बचाने गई मां को भी दबंगों ने निर्वस्त्र कर पीटा है. घटना सागर जिले के खुरई देहात थाना क्षेत्र के बरोदिया नौनागिरी की है. जानकारी के मुताबिक, पिछले दिनों मृतक की बहन के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई थी. मृतक के परिवार ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था. आरोपी पीड़ित परिवार पर सुलह करने का दबाव बना रहा थे. पीड़ित परिवार राजीनामा करने से इनकार कर रहा था. गुरुवार की रात गांव के कुछ दबंगों ने दलित युवक के घर पर हमला बोल दिया. घर में मां और बेटा था. दबंगों ने बेटे को घर से खींचकर पीटना शुरू कर दिया. जब मां बचाने गई तो दबंगों ने महिला को निर्वस्त्र कर पीटा.

घटना सामने आने के बाद पुलिस ने 9 लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज ककिया है. पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत 8 आरोपी को गिरफ्तार किया है. हालांकि, इस घटना में शामिल आरोपी सरपंच पति समेत अन्य फरार हैं. वहीं, मृतक के परिजनों ने शव को 40 घंटे तक अंतिम संस्कार नहीं किया था. कलेक्टर दीपक आर्य के मौके पर पहुंचने और समझाइश के बाद मामला शांत हुआ. परिजनों ने 10 मांगों पर आश्वासन मिलने के बाद अंतिम संस्कार किया. इस वारदात के बाद

राजनीति भी शुरू हो गई. इसमें कांग्रेस और बसपा ने भाजपा पर निशाना साधा है. मृतक की बहन ने इस पूरी घटना की आपबीती सुनाई. उसने कहा कि गांव के विक्रम सिंह, कोमल सिंह और आजाद सिंह घर पर आकर मां को धमकाने लगे. दबंगों ने मां से कहा कि जल्द से जल्द राजीनामा कर लो, इस पर मां ने पेशी के दौरान सुलहनामा करने की बात कही. इसपर तीनों ने धमकाते हुए कहा कि तुम्हें अपने बच्चे की जान प्यारी नहीं है. अब जो जहां मिलेगा वहीं, उसे निपटा देंगे. इसी दौरान भाई सब्जी लेकर लौट रहा था. तभी तीनों ने भाई को घेरकर पीटना शुरू कर दिया. मां जब बचाने गई तो लोगों ने मां को पीटते-पीटते निर्वस्त्र कर दिया और वहां पर घुमाया. पुलिस जब आई तो मां के ऊपर तौलियां डालकर उसे ढंका. मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा और पीएम मोदी पर हमला बोला है. खड़गे ने कहा कि मध्य प्रदेश के सागर में एक दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. गुंडों ने उसकी मां को भी छोड़ा. सागर में संत रविदास मंदिर बनवाने का ढोंग रचने वाले प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश में लगातार होते दलित व आदिवासी उत्पीड़न एवं अन्याय पर चूं तक नहीं करते. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री केवल कैमरे के सामने वंचितों के पैर धोकर अपना गुनाह छुपाने की कोशिश करते हैं. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे लिखा कि भाजपा ने मध्य प्रदेश को दलित अत्याचार की प्रयोगशाला बना रखा है. भाजपा शासित मध्य प्रदेश में दलितों के खिलाफ अपराधों का रेट सबसे ज्यादा है, राष्ट्रीय औसत से भी तीन गुना है. मोदी जी, इस बार मध्य प्रदेश की जनता भाजपा के झांसे में नहीं आने वाली है. समाज के वंचित व शोषित वर्ग को तड़पाने-तरसाने का जवाब आपको कुछ महीने बाद मिल जाएगा. भाजपा की विदाई का समय तय हो गया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 की टीम से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बेंगलुरु में चंद्रयान-3 से जुड़े इसरो के वैज्ञानिकों से मुलाकात की. बता दें कि इससे पहले पीएम मोदी अपनी ग्रीस यात्रा से सीधे बेंगलुरु पहुंचे. जहां उनके समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया. इस दौरान पीएम मोदी ने जय विज्ञान-जय अनुसंधान का नारा दिया. कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीधे बेंगलुरु स्थिर इसरो के कमांड सेंटर पहुंचे. जहां उन्होंने इसरो चीफ एस. सोमनाथ और इसरो के अन्य वैज्ञानिकों से मुलाकात की. इस दौरान इसरो चीफ सोमनाथ पीएम मोदी को चंद्रयान-3 के बारे में समझाते दिखाई दिए. इस दौरान पीएम मोदी ने पीठ थपथपाकर इसरो के चीफ सोमनाथ को बधाई दी. पीएम नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में कहा कि जो दृश्य आज मुझे यहां दिखाई दे रहा है वह मुझे ग्रीस, जोहान्सबर्ग में भी दिखाई दिया. दुनिया के हर कोने में न सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि विज्ञान में विश्वास करने वाले, भविष्य को देखने वाले, मानवता को समर्पित सब लोग इतने ही उमंग और उत्साह से भरे हुए हैं. जल्द से जल्द आपके दर्शन करना चाहता था- पीएम मोदीप्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि, मैं जल्द से जल्द आपके दर्शन करना चाहता था,

आप सबको सैल्यूट करना चाहता था, सैल्यूट आपके परिश्रम को !, सैल्यूट आपके धैर्य को ! सैल्यूट आपकी लगन को ! सैल्यूट आपके जज्बे को ! आप देश को जिस ऊंचाई पर लेकर गए हैं ये कोई साधारण सफलता नहीं है, ये अनंत अंतरिक्ष में भारत के वैज्ञानिक सामर्थ का शंखनाद है. इंडिया इन इन द मून.

कोलारस में रखा गया युवा जागृति अभियान जीवन जीने की कला प्रशिक्षण शिविर

संवाददाता प्रदीप जैन (पिंटू)

रन्नौद। गायत्री शक्तिपीठ कोलारस पर आज दिनाँक 27/8/2023 रविवार को युवा जागृति अभियान और जीवन जीने की कला प्रशिक्षण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदरणीय श्री विपिन शर्मा जी (रन्नौर वाले) और विशिष्ट अतिथि श्री राजकुमार रजक जी (रन्नौद वाले), श्री दांगी जी सगेश्वर वाले, श्री मुकेश गौ पत्रकार जी उपस्थित रहे । मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का गायत्री शक्तिपीठ कोलारस द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया । कार्यक्रम का संचालन आदरणीय श्री जे.पी. शर्मा जी द्वारा किया गया। आज के मुख्य अतिथि आदरणीय श्री विपिन शर्मा जी ने विद्यार्थियों को भारत की गौरवशाली संस्कृति सभ्यता से अवगत कराया । हमारा भारत देश सोने की चिड़िया था और विश्व गुरु था लेकिन आज हम जातियों में बट गए और घट गए। इससे हमारा यह नुकसान हुआ कि हमारा भारत देश अखंड था वह घटता गया। हमारे देश जैसा पूरे विश्व में

नहीं है, हमारे देश की संस्कृति जैसी संस्कृति पूरे विश्व में नहीं है, हमारे जैसा सनातन धर्म पूरे विश्व में कहीं नहीं है तथा सबसे ज्यादा खुशी मुझे आप सब बच्चों को देखकर हुई । और बताया कि सुबह जब हम उठे तो माता-पिता और अपने से बड़ों के चरण स्पर्श करें और रात को सोते समय चरण स्पर्श करके सोए महापुरुषों के बारे में भी उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत किया।

आदरणीय श्री मुकेश गौड़ पत्रकार जी ने भी बच्चों से वार्तालाप कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा की आप सभी विद्यार्थियों के कर्तव्य और लक्ष्य निर्धारित करने को कहा। और हमको गलत संगति, दोस्तों के कारण अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होना चाहिए । गायत्री शक्तिपीठ कोलारस के युवा कार्यकर्ता श्री अभिषेक लोधी सर जी में बच्चों को युवाओं के 18 सूत्रों के बारे में बताया कि हमारे क्या-क्या कर्तव्य हैं और विशेष वार्तालाप करते हुए बच्चे और बच्चियों से निवेदन किया । कि रक्षाबंधन आने वाला है तो बहनों से कहा अपने भाई से कहीं की जिस तरह मैं आपकी बहन हूं उसी तरह और भी लड़कियों में भी आपको अपनी बहन समझना चाहिए। बच्चों से भी कहां की जिस तरह आपकी बहन है इस तरह अन्य लड़कियों को भी अपनी बहन की तरह देखा करें अतः गलत दृष्टि ना रखें।

कलम पर बंदिश के विरोध में सड़कों पहले दिन ज्ञापन, दूसरे दिन मौन जुलुस निकाल पत्रकार पहुंचे शहीदों की शरण में पर उतरे पत्रकार

व्यूरो सोनू कुमार माथुर
पुष्पांजलि टुडे

एटा। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पत्रकारों की कलम को बंदिशों में बाधने वाले हाल ही में जारी किये गये आदेश के बाद हर तरफ पत्रकारों में विरोध होनें लगा हैं, शासन द्वारा जारी आदेश को पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की आजादी पर बंदिश लगाना मान रहे हैं, इसी के तहत पत्रकारों में आक्रोश पनप रहा हैं और वो आजाद भारत में अभिव्यक्ति की आजादी

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर पहुचा जहाँ पत्रकारों ने देश को आजाद कराने बाले क्रांतकारी बलिदानियों के समक्ष मौन की सोच से पत्रकारों की कलम को स्वतंत्र रखने हेतु जारी आदेश बापसी की माँग करने लगे हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश के जनपद एटा से विरोध की शुरुआत हो चुकी हैं 7 एटा में शासन के आदेश जारी होनें के बाद आक्रोशित पत्रकारों ने बबलू चक्रबर्ती के नेतृत्व में सर्व प्रथम प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक मांगपत्र जिलाधिकारी के प्रतिनिधि एसडीएम को सौपा उसके बाद दुसरे दिन पत्रकारों ने तय रणनीति के तहत शहर के शहीद पार्क स्थिति शहीदे आजम सरदार भगत सिहं की प्रतिमा के समक्ष काली पट्टी बाँध कर सवैधानिक तरीके से मौन जुलुस निकाला, पत्रकारों का जुलूस जीटीरोड होते हुये घंटाघर महात्मा गाँधी और उसके बाद हाथी दरबाजा स्थित जुलुस का समापन कर अपनी ब्यथा सुनाई, उसके बाद सभी पत्रकार जिला कलेक्ट्रेट धरना स्थल पर जा पहुचे जहाँ उन्होंने एक सभा की और पत्रकारों के प्रति सरकार द्वारा किये जा रहे बर्ताव को अत्यंत दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुये पत्रकार समाज के प्रति सहयोगात्मक कार्य करने की अपील की। इस मौके पर नेतृत्वकर्ता बबलू चक्रबर्ती, सोनू कुमार माथुर दिनेश चन्द्र शर्मा, आदित्य सक्सेना, अमित माथुर, राजीव मिश्रा, संदीप दीक्षित, पवन चतुर्वेदी, करन प्रताप, ज्ञानेश कुमार, अनुज मिश्रा, सचिन यादव, प्रवीन पाठक, हेमेन्द्र गुप्ता, सुनील कुमार गौतम, चंचल लोधी, हिमांशु तिवारी, मनोज कुमार तिलकराज, हरिकेश पुष्पेन्द्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत महापुर के संबंध प्राप्त शिकायत की कराई जांच

गबन प्रमाणित होने से 1.39 लाख की बसूली की कार्रवाई शुरू

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मनोज कुमार सरियाम द्वारा ग्राम पंचायत महापुर के संबंध में शिकायत की जांच करने हेतु समिति गठित की गई थी। समिति द्वारा जांच में राशि के गबन की पुष्टि होने पर वसूली की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। जिला पंचायत सीईओ द्वारा गठित समिति में प्र. कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग भिण्ड आर.एल. शर्मा, सहायक यंत्री जनपद पंचायत अटेर हरेन्द्र सिंह यादव, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) जनपद पंचायत अटेर प्रमोद सिंह तोमर को समिति में नियुक्त किया गया था। साथ ही समिति को शिकायत की जांच कर अपना जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने निर्देश दिए गए थे। समिति द्वारा शिकायत में उल्लेखित बिंदु अनुसार की गई जांच में मौके पर जाकर कार्यों एवं रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया जिसमें पैसों का गबन किया जाना प्रमाणित होने से 1.39 लाख की बसूली निकाली गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मनोज कुमार सरियाम द्वारा बसूली की कार्रवाई कराई जा रही है।

विधानसभा अध्यक्ष का मुस्लिम समाज द्वारा किया गया सम्मान

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

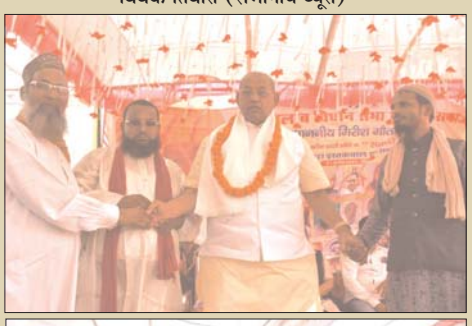

रीवा। विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम का सतखरा (पिपरा रामपुर) के मुस्लिम समाज द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देवतालाब विधानसभा में सभी समाज व वर्ग के व्यक्ति आपसी भाईचारे व सद्भाव के साथ रहते हैं और इन सभी के सहयोग से देवतालाब को प्रदेश की नम्बर एक विधानसभा बनाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के साथ हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से पात्र व्यक्तियों को दिलाया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चौहान हर वर्ग के लिए योजनाएँ संचालित कर रहे हैं। लाड़ली बहना योजना इन्हीं में से एक है जो महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए उपयोगी सिद्ध हुई है। अब महिलाओं को अपनी जरूरतों के लिए किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता। उनकी रोजमर्रा की आवश्यकताओं की पूर्ति इन पैसों से हो रही है। उन्होंने देवतालाब विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। इस दौरान सुरेन्द्र सिंह चंदेल, मन्नू गुप्ता, अखिलेश सिंह, मोहनलाल तिवारी, जनसंपर्क सहायक मध्यप्रदेश विधानसभा पुष्पेन्द्र गौतम सहित आसपास के गांव के रहवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इससे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने महिया में स्थानीय लोगों से संवाद किया।

स्नेह यात्रा का आखरी दिनः समरसता, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य रक्षा का संदेश दे रही है स्नेह यात्रा

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। स्नेह यात्रा समापन आज ग्वालियर जिले के भितरवार विकासखंड की ग्राम करहिया में हुआ ।पूज्य संतों के सान्निध्य में स्नेह यात्रा के माध्यम से ग्वालियर जिले में समरसता, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य रक्षा का समझाया संदेश गांव गांव तक पहुंचा। स्नेह यात्रा के अंतिम दिन आज भितरवार विकासखंड के गाँव-गाँव में उत्सुकता से लोग स्नेह यात्रा दल की प्रतीक्षा करते मिले ।

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने युवा एकजुट हो : श्रीकृष्ण हरि

प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही खुलेंगे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर : हेमंत कटारे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । अटेर विधानसभा का युवा कांग्रेस और विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन ग्वालियर रोड़ स्थित कृष्णा मैरिज गार्डन दबोहा में संपन्न हुआ। जिसमे मुख्य अतिथि युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रदेश सह प्रभारी श्रीकृष्ण हरि,अटेर के पूर्व विधायक हेमंत कटारे, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर पवन वशिष्ठ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में उपस्थित युकांई को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव श्रीकृष्ण हरि ने कहा मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार के कुशासन से 15 साल बाद जनता ने 2018 में मुक्ति दिलाई थी। और इसके बाद कमलनाथ के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सड़लता के नित नए आयाम लिखने जा रहा था। लेकिन भाजपा ने खरीद फरोख्त कर लोकतंत्र की हत्या कर फिर से सत्ता हथियाली जिससे नित नए घोटाले कर युवाओं का भविष्य चौपट हों रहा है। श्रीहरि ने कहा कार्यकर्ता कांग्रेस सरकार के पंद्रह महीनों की जनकल्याणकारी कार्यो और भाजपा की जनविरोधी नीतियों को एकजुट होकर जनता के बीच बताए। और युवाओं के भविष्य

से खिलवाड़ करने वाली भाजपा सरकार को उखाड़ फेंके।

अटेर के पूर्व विधायक हेमंत कटारे ने कहा राज्य में कांग्रेस की सरकार बनते ही न सिर्फ व्यापम जैसे घोटाले पर नकेल कसेगी बल्कि बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर खोले जाएंगे । कांग्रेस सरकार वचनपत्र के मुताबिक हमारी सभी बहिनों को नारी सम्मान योजना में 1500 रुपए महीने के साथ साथ मंहगाई को काबू में करने के लिए 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का कार्य करेगी। सभी युवाओं को इन बातों को जन-जन तक पहुंचाना है। भाजपा की जनविरोधी नीतियों को उजागर करना है। आज के दौर में युवा से अच्छा संदेशवाहक और कोई नहीं है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर पवन वशिष्ठ ने कहा कि युवक कांग्रेस एक ऐसा संगठन है जिसमें लोकतांत्रिक पद्धति से चुनाव जीतकर सभी पदाधिकारी बन रहे हैं और युवाओं को राजनीति में स्थान दे रही हैं। इसलिए आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में युवा पूरी ताकत के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इससे पहले युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने सभी अतिथियों का जोशीले अंदाज में फूल मालाओं से लाद कर स्वागत किया। कार्यक्रम को युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजकुमार देशलहरा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अंकित तोमर,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दीपू दुबे, कुलदीप शर्मा, अशोक भदौरिया, विधानसभा अध्यक्ष मोहित तोमर, राहुल ढमोले, पार्षद सुनील कांकर, मनीषपुरोहित, पार्षद स्वदेश कुशवाह, जिला उपाध्यक्ष आदित्य पुरोहित पुरखा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

संपूर्ण क्रांतिकारी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक में आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए लिए महत्वपूर्ण निर्णय

ग्वालियर। दिल्ली के कंस्टीट्यूशनल क्लब में पिछले दिनों आयोजित भारतीय संपूर्ण क्रांतिकारी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जाने-माने सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ.एपी सिंह को महासचिव चुना गया। आगे राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा शीघ्र ही की जायेगी। इस बैठक में सर्वसम्मति से ठाकुर जोगिंदर सिंह भदौरिया को पार्टी विधान के अनुसार 3 वर्ष के लिए राष्ट्रीय कार्यकारणी के सदस्यों ने सर्वसम्मति से राष्ट्रिय अध्यक्ष के लिए चुनाव किया गया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जोगिंदर सिंह भदौरिया ने आगमी विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार खड़ा करने एवं अपनी चुनावी घोषणाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि पार्टी मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सभी समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर तीनों राज्यों की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। तीनों राज्यों में प्रत्येक जिले की आवश्यकता एवं मांग के अनुसार हर जिले का घोषणा पत्र जारी किया जाएगा। अन्य कार्यकारणी की घोषणा जल्द की जाएगी। इसके अलावा संकल्प पत्र जारी किया जाएगा। भदौरिया ने चर्चा के दौरान बताया कि हमारी सरकार बनने पर सभी प्रदेशवासियों का 20 लाख रुपये तक का कर्ज मुक्ति योजना पर काम किया जायेगा। समस्त क्रांतिकारी परिवार को उचित पेंशन भत्ता एवं सम्मान दिया जाएगा। सरकार बनने पर प्रदेशवासियों को रोजगार देने का कार्य किया जाएगा। हमारी सरकार बनने पर राजनीतिक कारणों से बनाए गए सभी प्रकरणों को वापस लिया जाएगा। सरकारी परीक्षा और सरकारी पदों के लिए होने वाली परीक्षा से आवेदन शुल्क को समाप्त किया जाएगा। सरकारी परीक्षा और सरकारी पदों में नियुक्ति पारदर्शिता के साथ होगी। नियुक्ति में किसी प्रकार का भ्रष्टाचार नहीं होने दिया जाएगा। एक तीसरे विकल्प की तलाश कर रही है जनता

भदौरिया ने बताया कि जनता मौजूदा सरकारों से त्रस्त हो चुकी है। तीसरे विकल्प की तलाश कर रही है। अपने मताधिकार की शक्ति दिखाना चाहती है। इसी प्रत्यक्ष में भारतीय संपूर्ण क्रांतिकारी पार्टी अपने समान विचारधारा वाले दलों के साथ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ , राजस्थान का चुनाव मजबूती के साथ लड़ने जा रही है। भारतीय संपूर्ण क्रांतिकारी पार्टी ने अपने दरवाजे सभी समान विचारधारा वाले दलों के लिए खुले रखे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भदौरिया ने कहा कि हमारी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह के आदर्शों पर चलने वाली पार्टी है। डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह ने लोकनायक जयप्रकाश के साथ मिलकर संपूर्ण क्रांति का नारा दिया था, जिसके आधार पर जनता पार्टी का जन्म हुआ उसी से बिखर कर अन्य बहुत सारे दलों का जन्म हुआ जिसमें भारतीय जनता पार्टी भी है लेकिन आज जेपीके उन आदर्शों और मूल्यों को पूरी तरह से भुला दिया गया है। देशभर से 10.000 (दस हजार) कार्यकर्ताओं ने जयप्रकाश जी के आदर्शों पर चलने का निर्णय लिया और भारतीय संपूर्ण क्रांतिकारी पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया। पत्रकारों को सुरक्षा और दुर्घटना पर 5 करोड़ की मदद करन हमारा लक्ष्य होगा। पार्टी के महासचिव डॉ. एपी सिंह ने बताया कि आज आत्महत्या का सबसे बड़ा कारण महंगी शिक्षा और महंगा स्वास्थ्य है। सरकार बनने पर पूरी तरह से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक विस्तार किया जाएगा। सरकार बनने पर 3 साल की अवधि तक यानी जब तक की स्थिर और सक्षम नहीं हो जाते सभी सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए लागू नियम एवं कानून से राहत और पूर्ण मुक्ति दी जाएगी। सरकार बनने पर परिवार की महिला मुखिया के खाते में 5000रु. प्रति माह देने का निर्णय लिया गया। सरकार बनने पर सभी के लिए विशेष स्वास्थ्य अधिकार कानून लागू होगा। सरकार बनने पर सभी को खाद्य सुरक्षा देने का निर्णय लिया गया है। सरकार बनने पर सस्ती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले इंटरनेट देने का निर्णय सरकार बनने पर सार्वजनिक हित के मामलों की जांच करने वाले पत्रकारों या उन पत्रकारों के जिनकी जान व जीवन को खतरा है, नियम अनुसार पुलिस सुरक्षा प्रदान किया जाएगा। किसी भी पत्रकार की पत्रकारिता के दौरान दुर्घटना होने पर 5 करोड़ रुपए की परिवार को आर्थिक मदद दी जाएगी। भ्रष्टाचार करने वाले सभी कर्मचारी व अधिकारियों के लिए कड़ा कानून बनाया जाएगा।

जोगिंदर सिंह भदौरिया को संपूर्ण क्रांतिकारी पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर स्नेही जनों ने दीं शुभकामनाएं

ग्वालियर। ठा. जोगिंदर सिंह भदौरिया को संपूर्ण क्रांतिकारी पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी के बरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सैकड़ों की संख्या में पार्टी सदस्यों व समर्थकों तथा स्नेही जनों, इष्ट मित्रों ने हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी।

बधाइयां एवं शुभकामनाएं देने वालों में – रवी भदौरिया, राजकुमार सिंह, लक्ष्मन सिंह, शुरेस गौर, गोविन्द भदौरिया, कुलदीप सिंह भदौरिया,राजू सेंगर, अशोक सोनी, अरविंद भदौरिया, संतोष चौहान, कल्लू चौहान,रोशन लाल जाटव, आदि सभी ने जोगिंदर सिंह भदौरिया को संपूर्ण क्रांतिकारी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाइयां दीं। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जोगिंदर सिंह भदौरिया ने हमारे प्रतिनिधि को चर्चा के दौरान बताया कि हमारी पार्टी आगमी विधानसभा चुनाव हम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में अपने उम्मीदवार प्रदेश की सभी सीटों पर खड़े करेंगे एवं अपनी चुनावी घोषणाओं के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि पार्टी मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सभी समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर तीनों राज्यों की सभी सीटों पर पार्टी चुनाव लड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने रीवा जिले की 4 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को दिया राखी का उपहार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)रीवा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से लाड़ली बहना योजना की बहनों को राशि जारी की। मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन के उपहार स्वरूप प्रत्येक

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से लाड़ली बहनों को जारी किए 250 रुपए, अक्टूबर से लाड़ली बहना योजना से हर माह मिलेंगे 1250 रुपए

लाड़ली बहना हितग्राही को 250 रुपए की राशि जारी की। रीवा जिले की चार लाख से अधिक लाड़ली बहना हितग्राहियों के खाते में भी 250 रुपए की राशि जारी की गई। जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर निगम के टाउनहाल में आयोजित किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे ने कन्या पूजन करके तथा दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। समारोह में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय, परियोजना अधिकारी जीवेन्द्र सिंह तथा बड़ी संख्या में महिलाएँ शामिल रहीं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्चुअल माध्यम से महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में महिलाओं का स्थान सबसे ऊंचा है। बहनों के कारण ही संसार चल रहा है। मेरे मन में सदैव से महिलाओं को सशक्त करने और उनके कल्याण की तड़प थी जिसके लिए मैंने लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना जैसी अनेक योजनाएं लागू की। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बड़ रही हैं। लाड़ली बहना योजना से अभी रक्षाबंधन के लिए 250 रुपए दिए गए हैं। मैं 10 सितम्बर को एक हजार रुपए की राशि पुन~ जारी करूंगा। अक्टूबर माह से लाड़ली बहना योजना से हर महीने 1250 रुपए दिए जाएंगे। महिलाओं को सशक्त करने के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस सहित सभी विभागों की भर्ती में अब महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। लाड़ली बहनों के बेटे-बेटियों को निश्शुल्क शिक्षा दी जाएगी। लाड़ली बहनों को स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिए दो प्रतिशत ब्याज पर ऋण दिया जाएगा। गांव की भूमिहीन बहनों को निश्शुल्क आवासीय प्लाट दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से जो हितग्राही वंचित रह गए हैं उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। जिन बहनों के बिजली के बिल बड़े हुए आए हैं वे चिंता न करें उनसे बड़े हुए बिल की वसूली नहीं की जाएगी। गरीब हितग्राहियों को अब केवल सौ रुपए महीने बिजली का बिल लिया जाएगा। रसोई गैस सिलेण्डर को भी सस्ता किया जाएगा। सावन माह में लाड़ली बहना योजना की बहनों को 450 रुपए में सिलेण्डर दिए जाएंगे। मेरे जीवन का उद्देश्य बहनों के दुख को मिटाना है। बहनों का दुख मिट गया तो मेरा जीवन सफल हो जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में देखा व सुना गया।

राजेंद्र शुक्ल जी के कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली बार रीवा शहर आगमन पर विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा ने दी बधाई किया भव्य स्वागत

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

रीवा। विंध्य के कद्दवार लाड़ले मंत्री माननीय श्री राजेंद्र शुक्ल जी को कैबिनेट मंत्री बनाएं जाने पर विंध्य की धरा प्रथम रीवा शहर में आगमन पर बहुत बहुत बधाई दी..हार्दिक शुभकामनाएं दी ..हार्दिक स्वागत..वंदन.. अभिनंदन.. किया गया...विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा ने, हर व्यापारी खुशी का इज़हार किया मानो बहुत इंतजार था इस पल का खूब झूम और नाच कर खुशी आपस में बाटी गई..द्ध द्धमाननीय मंत्री जी को साफा पहनाकर सम्मानित किया पुष्प वर्षा कर, माला पहनाकर, पुष्प गुच्छ देकर बैंड बाजा आतिश बाजी के साथ विंध्य के कद्दावर लाड़ले मंत्री का हार्दिक स्वागत.. वंदन..अभिनंदन.. किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने शामिल हुए विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा के अध्यक्ष नरेश काली, चंदीराम केसवानी, पप्पू मंजानी,साधुराम मखीजा सुधांशु पाठक संदीप गुप्ता, पिंटू सोनी मनीष गहोई अमित ठारवानी, विनोद पठान, राजेश वाधवानी, सूरज वाधवानी, अनीस खान, अकरम खान, बिल्लु पाठक, रामेश्वर सोनी, अश्वनी वाधवानी, कमल पांडे रमेश वाधवानी, अनिल आहूजा मनीष आहूजा कमल कोटवानी रवि झामवानी, श्याम वाधवानी राम तनवानी, अनिल तरवानी हितेश त्रिपाठी आदि।

पचमठा परिसर का लोकार्पण आज

केबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल करेंगे लोकार्पण

दैनिक पुष्पांजली टुडे
(ब्यूरो चीफ रीवा)

रीवा। शासन की पुनर्घनत्वीकरण योजना के तहत आदि शंकराचार्य द्वारा बीहर नदी के तट पर स्थापित एवं स्वामी ऋषि कुमार की तपोस्थली दिव्य पचमठा धाम परिसर का लोकार्पण प्रदेश के केबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल आज 28 अगस्त को प्रातः 10 बजे करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री जनार्दन मिश्र करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ अजय सिंह, कमिश्नर श्री अनिल सुचारी, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल तथा वार्ड क्रमांक 35 के पार्षद सैयद अख्तर उपस्थित रहेंगे। लोकार्पण अवसर पर रूद्राभिषेक हवन एवं भण्डारे का भी आयोजन किया गया है। कार्यपालन यंत्री मध्यप्रदेश गृह निर्माण मण्डल एवं अधोसरंचना विकास मंडल अनुज प्रताप सिंह ने बताया कि 28 अगस्त को शाम 6 बजे से पुष्पेन्द्र शेखर पाण्डेय द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया है तथा रात्रि 7 बजे से उज्जैन के कलाकारों द्वारा आदि शंकराचार्य जी पर नाटऋ मंचन की प्रस्तुति भी होगी।

श्री शिव पुराण कथा के अंतिम दिवस श्रद्धालु हुए भावविभोर

पुष्पाजंली टुडे

कुक्षी ऋधर्म धारण का पवित्र भाव लिए भायल परिवार द्वारा ÷स्वर्गीय माताश्री सुखीबाई भायल÷ की ÷पुण्य स्मृति÷ मे श्रद्धा व आस्था का भाव लेकर संगीतमयी श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन का विश्राम अंतिम सप्तम दिवस मे श्री आई माताजी मंदिर मे हुआ। सप्तमदिवसीय श्री शिवपुराण कथा के अंतिम दिवस पर कथावाचक पंडित श्री घनश्याम जी चाष्टा ने कहा की शिव पुराण के अनुसार शिव-शक्ति का संयोग ही परमात्मा है। शिव की जो पराशक्ति है उससे चित शक्ति प्रकट होती है। चित शक्ति से आनंद शक्ति का प्रादुर्भाव होता है।आनंद शक्ति से इच्छाशक्ति का उद्भव हुआ है। पंडित श्री घनश्याम जी ने बारह ज्योतिर्लिंग कहा कहा स्तिथ है व सम्पूर्ण ज्योतिर्लिंग की क्या मान्यता है कि जो भी व्यक्ति अपने पूरें जीवन में एक बार शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर लेता है तो वह सभी दोषों से मुक्त होकर मृत्यु पश्चात मोक्ष को प्राप्त कर लेता है।

कथावाचक श्री घनश्याम जी ने कहा की अपने चारों ओर सदैव वातावरण शुद्ध रखें। जहां स्वच्छता और शांति होती है, वहां देवताओं का वास होता है। शिव की महिमा का वर्णन कर कहा कि भगवान शिव ही मनुष्य को सांसारिक बंधनों से मुक्त कर सकते हैं, शिव की भक्ति से सुख व समृद्धि प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव लंकापति रावण की तपस्या से प्रसन्न हुए थे। तब उन्होंने वरदान मांगने को कहा जिस पर रावण ने शिव को अपने साथ ले जाने की इच्छा जाहिर की थी। जब रावण भगवान शिव को अपने साथ लंका ले जा रहा था तब रास्ते मे रावण ने शिवलिंग को एक चरवाहे को इस हिदायत के साथ देकर लघुशंका गया कि वह शिवलिंग भूमि पर नहीं रखेगा लेकिन,जब काफी देर तक रावण के वापस न आने पर चरवाहे ने भगवान शिव को भूमि पर रख दिया। जब रावण शिव को नहीं उठा सका तो गुस्से में अपने अंगूठे से शिवलिंग को भूमि में दबा दिया। अंगूठे से दबने के कारण शिवलिंग गाय के कान के आकार का हो गया। इसके चलते यह शिवलिंग गोकर्णनाथ के नाम से प्रसिद्ध हुआ। श्री शिव महापुराण के अंतिम दिवस पर भायल परिवार की माताश्री सूखीबाई भायल की पुण्य स्मृति मे भायल परिवार द्वारा सिर्वी समाज के मुक्तिधाम मे स्तिथ श्री मुक्तेश्वर महादेव मंदिर मे 5100/- की राशि मुक्तिधाम सेवा समिति के सदस्यों को व अखिल भारतीय सिर्वी महासभा मध्यप्रदेश के प्रदेश शिक्षा समिति को 5100/- की राशि तहसील अध्यक्ष्य जितेंद्र सिंदे व श्री आई माताजी मंदिर कुक्षी मे 21000/- की राशि समाज सकल पंच समिति को भेट की। कल प्रातः 11 सिर्वी समाज की नवनिर्मित धर्मशाला माधव श्री प्रसादम मे होगा महप्रसादी का आयोजन इस दौरान भायल परिवार के प्रकाश भायल, सौरभ भायल, गौरव भायल, रचित भायल, विशेष भायल के माध्यम से कथावाचक पंडित श्री घनश्याम जी के द्वारा ÷ईश्वर महिमा धर्ममयी पुस्तिका÷ सभी श्रद्धालुओ को भेट की गई। कथा का श्रवण करने सीरवी समाज सकल पंच समिति ,महिला मंडल वरिष्ठजन तहसील अध्यक्ष जितेंद्र सिंदे,मोहन बर्ड़ा,विक्रम चोयल व युवासाथी तथा गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

भाजपा आपके अधिकार छीनना चाहती है संविधान खतरे मे है : डॉ गोविन्द सिंह

लहार में कुशवाहा समाज के सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । लहार में कुशवाहा समाज का सम्मेलन हुआ आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह,सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष विधायक हिना कांवरे,विशिष्ट अथिति विधायक बैजनाथ सिंह कुशवाहा, विधायक अजब सिंह कुशवाहा,जिला अध्यक्ष कांग्रेस मानसिंह कुशवाहा रहे। सम्मेलन में बड़ी संख्या में जन सैलाब उमड़ा, सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ गोविंद सिंह ने कहा कि वास्तव में आज संविधान खतरे में है भारतीय जनता पार्टी आपके अधिकारों को छीनना चाहती है, जो पुरानी स्थिति थी राजा महाराजाओं की वही स्थिति आज भाजपा देश में पैदा करना चाहती है कांग्रेस देश के संविधान को बचाने का काम करती रही है और करेगी। विधायक हिना कांवरे ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा आप लोग बहुत भाग्यशाली हैं जो आपको डॉ सहाब जैसा एक ऐसा नेता मिला है कहीं पर भी डंके की चोट पर आपकी बात रख सकते हैं आप सबके लिए लड़ सकते हैं सभी लोग एक जुट होकर कांग्रेस की ताकत बनो। सम्मेलन में विधायक अजब सिंह कुशवाहा,विधायक बैजनाथ सिंह कुशवाहा,खिजर मोहम्मद कुरैशी, देवाशीष जरारिया,मानसिंह कुशवाहा, राजकुमार शर्मा ने मुख्य वक्ताओं के रूप में सम्मेलन को संबोधित किया।

सियासी कारणों से टला ब्राह्मण सम्मेलन और बाइक रैली

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली

भिण्ड। जिले की सियासत में चल रहे शह और मात के खेल के बीच अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा जिला भिंड द्वारा आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन और बाइक रैली को फिलहाल टाल दिया गया है। यह सम्मेलन 27 अगस्त को लहार में आयोजित किया गया था, लेकिन 27 अगस्त को 7 दिनों के प्रवास पर आए उत्तर प्रदेश के भाजपा विधायक पंडित रमेश चंद्र मिश्रा लहार में भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसे देखते हुए ब्राह्मण सम्मेलन के कार्यक्रम में तब्दीली की गई है। उल्लेखनीय है कि ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित इस सम्मेलन को लेकर जिले की सियासत में सियासी पारा पिछले कई दिनों से परवान च?ा हुआ था। इसकी वजह जिले की लहार विधान सभा सीट पर ब्राह्मण समाज द्वारा अपनी एकता का शक्ति प्रदर्शन करना मानी जा रही है। ब्राह्मण सम्मेलन में पूर्व विधायक रसाल सिंह को सम्मानित किया जाना है। इधर पूर्व विधायक की भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में भी उपस्थिति अनिवार्य है। ऐसे में वह ब्राह्मण सम्मेलन में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए आयोजकों ने ब्राह्मण सम्मेलन की आयोजन में फेरबदल किया है। आयोजकों का कहना है कि जल्दी ही ब्राह्मण सम्मेलन की नई तारीख घोषित कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि पूर्व विधायक रसाल सिंह न केवल भिंड जिले के लोकप्रिय नेता, बल्कि वह चार बार विधायक और एक बार भिण्ड नगर पालिका के अध्यक्ष भी रह चुके हैं और समाज के हर वर्ग में उनकी मजबूत पकड़ है। आपको बता दें कि भाजपा ने मध्य प्रदेश में चुनाव से पहले सभी 230 सीटों पर फीडबैक लेने के लिए दूसरे राज्यों के विधायकों को 7 दिनों के प्रवास पर भेजा है। 27 अगस्त को इन विधायकों के प्रवास का अंतिम दिन है। जिसके चलते भिंड में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

कांग्रेस में भ्रष्टाचार और घोटाला, भाजपा की सरकार में गरीब कल्याण विकासः नारायण प्रसाद

विकास और प्रकृति में भिण्ड सबसे आगे जो कांग्रेस सरकार में नहीं हुआ वह भाजपा सरकार ने कियाः संजीव सिंह संजू

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । आगामी मिशन 2023 विधानसभा चुनाव को दृष्टिकोण रखते हुए केंद्र नेतृत्व की योजना अनुसार विधानसभा क्षेत्र भिण्ड के प्रवासी विधायक बिहार से नारायण प्रसाद ने किंग इंपीरियल होटल में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि बीस सालों में भाजपा की सरकार ने बनाया बीमारू मध्यप्रदेश को बेमिसाल राज्य बंटाढार और करप्शनाथ बताएं, कांग्रेस ने क्यों लूटा प्रदेश का काफिला 1956 में मध्यप्रदेश के गठन के बाद से 2003 तक ज्यादातर समय कांग्रेस की ही सरकारें रही हैं। इन सरकारों ने प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया । इसका मतलब था मध्यप्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल था, जो देश के विकास में बाधक थे। 2003 में प्रदेश में उमा भारती के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। बाद में बाबूलाल गौर, और शिवराजसिंह चौहान ने उस सरकार का नेतृत्व किया। भाजपा की सरकार ने प्रदेश को 20 सालों में बीमारू से बेमिसाल राज्य बनाया, बंटाढार से बुलंदियों पर पहुंचाया, पिछड़े से अग्रणी बनाया, समृद्ध और खुशहाल राज्य बनाया। मि. बंटाढार और कमलनाथ इस बात का जवाब दें कि 53 सालों में उनकी सरकारों ने प्रदेश के लिए क्या कियाड़ क्यों प्रदेश की जनता के साथ अन्याय किया। क्यों मध्यप्रदेश का काफिला लूटा । इसका जवाब कांग्रेस को देना होगा। कांग्रेस इससे मुकर नहीं सकती है। भाजपा ने 20 साल में गरीबों का जीवन स्तर सुधारने का काम किया तो उसका रिपोर्ट कार्ड भी जारी किया है। भाजपा जो कहती है वह करके भी दिखाती है। हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। जबकि कांग्रेस ने देश और प्रदेश को सिर्फ छलने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जवाबदेही की एक नई परंपरा शुरू की है, जिसके अंतर्गत हर सरकार अपने कार्यकाल में किए गए कामों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करती है। हमने अपना रिपोर्ट कॉर्ड प्रस्तुत किया है और गलत आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने वाली कांग्रेस को इस रिपोर्ट कॉर्ड का जवाब देना चाहिए। कांग्रेस ने प्रदेश की जनता के साथ जो अन्याय किया है, उसका जवाब देना चाहिए और अगर उसमें हिम्मत है तो अपने 53 सालों के शासन का रिपोर्ट कॉर्ड प्रस्तुत करे। मध्यप्रदेश में 15 महीनों के लिए कमलनाथ की सरकार बनी थी, जिन्हें करप्शननाथ कहा जाता है। बंटाढार और कमलनाथ की उस सरकार ने भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई गरीब कल्याण की सारी योजनाएं बंद कर दीं थी और गरीब कल्याण अभियान को अपाहिज बना दिया था। उस सरकार ने सहरिया भारिया और बैगा बहनों को मिलने वाला पोषण अनुदान बंद कर दिया था इस्तीफा देते समय कोई मुख्यमंत्री काम नही करता, लेकिन करप्शननाथ ने अपने इस्तीफे से 15 मिनट पहले मोबाइल घोटाले से संबंधित दस्तावेजों पर साइन किए। करप्शन नाथ ने 350 करोड़ का मोजर बेयर घोटाला किया और 2400 करोड़ के अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले से उनका संबंध है। करप्शननाथ ने 600 करोड़ का इपको घोटाला, कर्जमाफी में 25000 करोड़ का हेरफेर किया। उस सरकार ने 800 ट्रांसफर करके नया तबादला उद्योग शुरू कर दिया था। कमलनाथ को अपनी सरकार के डेढ़ सालों में हुए घोटालों का जवाब देना चाहिए।अमृतकाल में मध्य प्रदेश बनेगा देगा का अग्रणी राज्य 2003 से पहले मध्यप्रदेश बीमारू राज्य हुआ करता था। 2003 में आई भाजपा की सरकार ने प्रदेश को बीमारू राज्य के कलंक से मुक्ति दिलाई। 2003 से 2023 तक के 20 साल प्रदेश में गरीबी से मुक्ति का स्वर्णकाल रहे हैं और इन सालों में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की नींव डाली गई 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी और प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश की दिल खोलकर मदद की। डबल इंजन वाली सरकार ने प्रदेश में विकास के नए प्रतिमान गढ़े न सिर्फ सड़क, बिजली और पानी की समस्या दूर हुई, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य,सुशासन और विकास के सभी मापदंडों पर प्रदेश को आगे बढ़ाया और राजधानी भोपाल से गांव की चौपाल तक विकास और खुशहाली बयार चलाई। इसका प्रति उत्तर देते हुए प्रदेश की जनता ने भी दिल खोलकर वोट दिये। 2019 में 29 में से 28 सीटें भाजपा को दीं और 2024 में जो एक सीट की कमी रह गई है, वो भी जनता पूरी कर देगी। देश के अमृतकाल में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बनेगा। आने वाला चुनाव प्रदेश को विकसित और सर्वोच्च राज्य बनाने तथा गरीबी से संपूर्ण मुक्ति दिलाने वाला चुनाव है और मुझे पूरा विश्वास है कि प्रदेश की 9 करोड़ जनता का आशीर्वाद हमें मिलेगा।डबन इंजन की सरकार की योजनाओं से प्रदेश के हुआ चहुंमुखी विकास हुआ। विधायक संजीव सिंह कुशवाह संजू ने कहा कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हमारे जिले को विकास और प्रकृति के लिए कई योजनाएं दी है उन्होंने कहा की नगर पालिका से नगर निगम मेडिकल कॉलेज सैनिक विद्यालय एवं प्रधानमंत्री ग्राम योजना से सके उमरी ग्राम पंचायत को नगर परिषद की सौगात देकर विकास को आगे बढ़ाया है। हमारे प्रदेश की भाजपा सरकार विकास को गति देने के लिए बराबर संवेदना सेल होकर योजनाएं बनाकर हर घड़ी तक पहुंच रही। उन्होंने कहा की शहर में 100 बिस्तरीय अस्पताल का निर्माण भी किया जा रहा है जो की मरीज को सर्व सुविधा उपलब्ध होगी। पत्रकार वार्ता में भाजपा के वरिष्ठ नेता जण्डेल सिंह राजावत, मंडल अध्यक्षों में सुभाष मंडल प्रदीप सिंह भदौरिया टीपू, महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष शेर पचौरी, वानखंडेश्वर मंडल अध्यक्ष अमित जैन,नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष अजीत सिंह भदौरिया पत्रकार वार्ता में शामिल थे।

सेना को पुलिस न बनने दें

ले.ज. एचएस पनाग (रिटा)

तीन महीने से ज्यादा बीत चुके हैं और मणिपुर हथियारों से लैस मैतेई और कूकी समुदायों के बीच जारी जातीय संघर्ष की चपेट में अराजकता झेल रहा है। यह राज्य इंफाल घाटी के मैतेई समुदाय और पहाड़ी इलाकों के कूकी समुदाय के बीच दो हिस्सों में लगभग बंट गया है। राज्य सरकार मैतेई समुदाय के साथ निहित मिलीभगत, और सामान्य स्थिति बहाल करने की नीति के अभाव में नदारद नजर आती है।

संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह उस संकटग्रस्त राज्य में शांति की बहाली के लिए कोई ठोस नीति या योजना प्रस्तुत करने में विफल रहे। पिछली सरकारों पर दोषारोपण करने और निष्प्रभावी तथा पक्षपाती मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह में भरोसा दोहराने के अलावा उनके बयान उम्मीद जताने और अपील करने पर ही केंद्रित रहे। शाह ने कहा, "मैं मणिपुर के दोनों समुदायों से हाथ जोड़कर अपील करता हूं की वे हिंसा छोड़ दें। कृपया भारत सरकार के साथ वार्ता की मेज पर आइए, हम मणिपुर को वापस प्रगति और समृद्धि की राह पर लाने का रास्ता खोजें।"

मणिपुर में आबादी और पुलिस का अनुपात प्रति एक लाख आबादी पर 1,338 का है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। इसके अलावा, गृह मंत्री के मुताबिक, "राज्य में 36,000 केंद्रीय सुरक्षा बल भेजे गए हैं"। मणिपुर में सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी और आइटीबीपी की कुल 125 कंपनियां तैनात हैं। असम राइफल्स की 22 बटालियनें भी तैनात हैं जो म्यांमार की सीमा पर भी ऑपरेट कर रही हैं। इनके अलावा 57 माउंटेन डिवीजन की तीन ब्रिगेड भी सेना के 3 कोर का अधीन कार्रवाई कर रही हैं। सुरक्षा बलों की संख्या स्थिति को नियंत्रित करने, शांति बहाल करने और आबादी को निःशस्त्र करने के लिहाज से पर्याप्त से ज्यादा है। लेकिन इच्छाशक्ति, नीति केंद्रीय तालमेल के अभाव, भूमिकाओं तथा नियमों की अस्पष्टता, और पक्षपाती राज्य पुलिस के कारण यह विशाल फौज निष्क्रियता की शिकार और उसे सिर्फ क्षणभंगुर यथास्थिति बनाए रखने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

पिछला अनुभव तो कहता है कि सबसे व्यावहारिक तरीका तो यह होगा कि पूरे राज्य को अशांत क्षेत्र घोषित करके वहां 'आफ़स्पा' कानून लागू कर दिया जाए, एक संयुक्त कमांड ऑथरिटी का गठन करके सेना को अग्रणी भूमिका सौंपी जाए। लेकिन सियासी वजहों से इस उपाय को शायद ही अपनाया जाएगा। वहां अनुच्छेद 355 के इस्तेमाल को लेकर भी अस्पष्टता है, और बहुसंख्यकों के प्रति पक्षपात करने के लिए बहुचर्चित मुख्यमंत्री ही इस विशाल फौज का नियंत्रण कर रहे हैं जिसमें कानून-व्यवस्था बनाए रखने में 'नागरिक सत्ता' की मदद के लिए सेना के कुछ अंग भी शामिल हैं।

इन तमाम परिस्थितियों के मद्देनजर मैं यह विश्लेषण करने की कोशिश करूंगा कि सैन्य बलों के सामने क्या चुनौतियां हैं और उनसे कैसे निबटा जा सकता है।

मणिपुर में तीनों प्रमुख खिलाड़ियों—मैतेई, कुकी-ज़ो, और नगा—ने अलगाववादी बगावत से हाथ खींच लिये हैं। वर्तमान संघर्ष सरकारी लाभों में हिस्सेदारी और स्वायत्तता की खातिर जातीय किस्म का है। इसे भारत की संप्रभुता पर सवाल खड़ा करने वाली आंतरिक बगावत नहीं कहा जा सकता है क्योंकि विभिन्न समुदाय एक-दूसरे के खिलाफ हिंसा करके और लूटे गए हथियारों को वापस न करके सरकार के अधिकार को चुनौती दे रहे हैं। सियासी वजहों से और अलगाववाद के न होने से केंद्र सरकार ने मणिपुर को अशांत क्षेत्र नहीं घोषित किया है, न ही 'आफ़स्पा' कानून को पूरी तरह लागू किया है और न सेना को स्पष्ट रूप से परिभाषित मिशन के तहत अग्रणी भूमिका सौंपी है।

केंद्र सरकार मणिपुर को कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में ले रही है, और राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना को 'नागरिक सत्ता' की मदद के लिए बुलाया है। अतीत में, यह भूमिका मुख्यतः गैरकानूनी जमावड़े को एक मजिस्ट्रेट के आदेश पर, और असामान्य हालात में इस आदेश के बिना न्यूनतम ताकत का इस्तेमाल करते हुए तितर-बितर करने तक सीमित रहा करती थी। यह प्रक्रिया सीआरपीसी की धारा 129 से लेकर 132 तक के तहत की जाती है। यह प्रक्रिया समय की कसौटी पर खरी उतरती रही है और सांप्रदायिक और दूसरी तरह के दंगों से निबटने में प्रभावी साबित होती रही है।

मणिपुर में स्थिति बिलकुल अलग तरह की है, खासकर मैतेई वर्चस्व वाले इलाकों में। वहां भीड़ दो तरह के तत्वों से बनी होती है, सशस्त्र और निःशस्त्र तत्वों से। निःशस्त्र तत्व समूह का नेतृत्व प्रायः महिलाओं के हाथ में होता है। सशस्त्र लोग लूटपाट और हत्याओं पर ज़ोर देते हैं, जबकि निःशस्त्र तत्व सुरक्षा बलों को परे रखने की कोशिश करते हैं। इस तरह की भीड़ सेना की आवाजाही और ऑपरेशन को बाधित करती रही है। ऐसा एक प्रमुख मामला वह है जब मैतेई महिलाओं के नेतृत्व में एक भीड़ ने 24 जून को 12 आतंकवादियों को कैद से छुड़ा लिया था। कहा नहीं जा सकता कि राज्य सरकार सेना के 160-170 कॉलमों के लिए मजिस्ट्रेट की व्यवस्था कैसे कर रही है, भले ही हम उनके जातीय पूर्वाग्रहों की अनदेखी क्यों न कर दें। वहां घटी सभी घटनाओं में मजिस्ट्रेट लापता दिखे हैं।

इस बात के काफी प्रमाण हैं कि पक्षपाती पुलिस भीड़ की गतिविधियों की अनदेखी करती रही है या उसे उकसाती रही है। पुलिस और सेना के बीच उकसाऊ बहसें होई हैं, और असम राइफल्स को बदनाम करने की राजनीतिक और सार्वजनिक मुहिम चलाई गई है। एक तो राज्य पुलिस ने अपनी कार्रवाइयों में दखल देने के आरोप लगाते हुए असम राइफल्स के खिलाफ एफआइआर दर्ज किए हैं; दूसरे, खबरें हैं कि पुलिस को नियंत्रित करने की जगह असम राइफल्स को बफर ज़ोन में चेकप्वाइंट से हटा दिया गया है। सेना को पुलिस के आचरण का सार्वजनिक रूप से बचाव करने के लिए मजबूर किया गया है।

'मानवीय तरीके' की आड़ में सेना की ओर से भीड़ से निबटने में हिचक और न्यूनतम बल के प्रयोग करने के उदाहरण देखे गए हैं। गैरकानूनी जमावड़ों को तितर-बितर करने की कार्रवाई के मामले में सेना के नियम सेना को सैन्य रणनीति का इस्तेमाल करते हुए न्यूनतम बल के प्रयोग के सिवा दूसरा कोई तरीका नहीं बताते। अब तक, ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं है कि कोई भीड़ अगर सेना के ऑपरेशन में बाधा डालती है तो सेना ने उसे भगाने के लिए न्यूनतम बल का प्रयोग किया हो।

ऐसे कई उदाहरण हैं कि सेना ने भीड़ से निबटने के लिए उसके साथ बातचीत और उसे समझाने-बुझाने के पुलिसिया तरीकों का प्रयोग किया, जो कि ऐसे मामलों से निबटने के बारे उसके नियमों के अनुसार सख्त रूप से निषिद्ध हैं। इस तरीके के गंभीर नतीजे हो रहे हैं। सेना की यह साख खतरे में है कि वह भीड़ की हिंसा को रोकने का अंतिम सहारा है। जम्मू-कश्मीर और मणिपुर में महिलाओं की अगुआई वाली भीड़ से निबटने में सेना ने महारत हासिल कर ली है। बेहतर तो यही होगा कि पुलिस ही ऐसी भीड़ से निबटे और सेना ऐसे मामलों से निबटने के अपने नियमों और न्यूनतम बल के प्रयोग को अंतिम विकल्प ही माने। अभी धीरज की परीक्षा का जो खेल चल रहा है वह कयामत ढा सकता है, अगर सैनिक उतावले होकर अनियंत्रित गोलीबारी कर बैठें।

आगे का रास्ता

स्थिति काबू में इसलिए नहीं दिख रही है कि कानूनों को बहाल कर दिया गया है बल्कि इसलिए दिख रही है कि इंफाल घाटी से कुकी-ज़ो समुदाय का जातीय सफाया कर दिया गया है और पहाड़ी इलाकों से मैतेई समुदाय का सफाया कर दिया गया है। दोनों समुदायों ने जो सख्त रुख अपना रखा है उसके कारण निकट भविष्य में किसी सर्वमान्य राजनीतिक समाधान की संभावना नहीं दिखती। राज्यसत्ता के कानून को तुरंत बहाल किए जाने की सख्त जरूरत है। इसकी शर्तें ये हैं कि आबादी को निःशस्त्र किया जाए और दोनों समुदायों को फिलहाल एक-दूसरे से अलग ही रखा जाए। अगर वार्ता विफल हो जाए और हथियार लौटाए नहीं जाते, तब दोनों समुदाय एक-दूसरे के इलाकों में छापामार लड़ाई शुरू कर सकते हैं, और तब सबसे बुरी बात यह हो सकती है कि अलगाववादी बगावत फिर से शुरू हो जाए।

चूंकि केंद्र सरकार मणिपुर को अशांत क्षेत्र नहीं घोषित करने वाली है, 'आफ़स्पा' कानून को नहीं लागू करने वाली है और सेना को अग्रणी भूमिका नहीं सौंपने वाली है इसलिए वर्तमान स्थिति के मद्देनजर सेना के मिशन और उसकी भूमिका की समीक्षा जरूरी है। अभी जो हालात हैं उनमें सेना अगर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नागरिक प्रशासन की मदद में कार्रवाई करती रहेगी तो वह उसकी साख और उसके मनोबल के लिए नुकसानदायक ही साबित होगी। उसे तत्काल वहां से मुक्त किया जाना चाहिए। सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज (सीएपीएफ) और मणिपुर पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने और इंफाल घाटी में लोगों से हथियार वापस लेने की ज़िम्मेदारी सौंपी जाए। लूटे गए और वापस लौटाए गए सभी हथियारों का हिसाब जरूर रखा जाए। इससे यह भी साबित होगा कि अपने ही समुदाय पर मुख्यमंत्री की कितनी पकड़ है।

सेना को घाटी और पहाड़ी क्षेत्र के बीच के बफर ज़ोन को संभालने की ज़िम्मेदारी सौंपी जाए। उसे पहाड़ी क्षेत्र में, जहां उसे 'आफ़स्पा' कानून का कवच हासिल है, ऑपरेशन करने की भी ज़िम्मेदारी सौंपी जाए क्योंकि उसे जिन 19 पुलिस थाना क्षेत्रों से हटाया गया है वे सब प्रायः इंफाल घाटी में हैं। सेना आबादी को निःशस्त्र करने की कार्रवाई चलाए और उन कैंपों को बनाए रखे जिन्हें पुराने बागियों के लिए 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन्स' समझौते के तहत बनाया गया था। भीड़ से सीएपीएफ और मणिपुर पुलिस को ही निबटना चाहिए। अगर सेना को भीड़ से निबटना ही पड़े तो वह नतीजा हासिल करने के लिए न्यूनतम बल के प्रयोग अपने पवित्र नियमों का पालन करते हुए पुलिसिया तरीकों का सहारा ले।

यहां यह बताना उपयुक्त होगा कि जब 'आफ़स्पा' कानून लागू किया जाता है तब भी सेना संयुक्त कमांड ऑथरिटी के तहत नागरिक प्रशासन के लिए कार्रवाई करती है, वह स्वतंत्र रूप से ऑपरेट नहीं करती। अतीत में इसके विपरीत की धारणा इसलिए बनी थी कि राज्यपाल/मुख्यमंत्री के अधीन संयुक्त कमांड ऑथरिटी ने अलगाववादी बगावत से निबटने के लिए सेना को 'फ्री हैंड' दे दिया था। लेकिन अशांत क्षेत्र में 'आफ़स्पा' के कवच के साथ सेना के मिशन को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाता है और उसके रणनीतिक ऑपरेशन्स में दखल नहीं दी जा सकती। मैंने अनुच्छेद 34 के तहत मार्शल लॉ के अस्पष्ट प्रावधानों की चर्चा नहीं की है क्योंकि लोकतंत्र में इसे निषिद्ध माना जाता है। संयुक्त कमांड ऑथरिटी के जरिए नागरिक प्रशासन के निर्देशों के तहत अशांत क्षेत्र की घोषणा और 'आफ़स्पा' लागू करना लगभग उसी मकसद को पूरा करता है।

यह केंद्र सरकार की ज़िम्मेदारी है कि नागरिक प्रशासन की मदद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के अंतिम साधन के तौर पर सेना की साख न घटे। उसकी स्थिति एक महिमामंडित पुलिस वाली न बने, जिसे कोई राजनीतिक सत्ता अपने मकसद के लिए इस्तेमाल करे। सैन्य महकमे को अपनी रीढ़ सीधी रखनी चाहिए और सरकार को स्पष्ट सलाह देनी चाहिए कि मणिपुर में सेना का मिशन क्या हो।(साभार-दि प्रिंट)

'प्याज़' की सियासी भूमिका अनूठी

आज का कॉलम प्याज़, हमारे जीवन में उसके महत्व, भारतीय राजनीति पर उसके प्रभाव और एक जमाने में मेरे पसंदीदा लेखक-स्तंभकार दिवंगत फिक्र तौंसवी को समर्पित हैं। इन सबका रिश्ता बहुत पुराना और मजबूत है। छह दशक पहले तौंसवी, जिनका वास्तविक नाम राम लाल भाटिया था— उनका 'प्याज़ के छिलके' नामक कॉलम बहुत लोकप्रिय हुआ करता था। प्याज़ का भारतीय राजनीति से भी गहरा नाता है। तभी तो मोदी सरकार ने प्याज़ की बढ़ी कीमतों को नियंत्रित करने हेतु अपने रणनीतिक भंडार से प्याज़ की खेप को सस्ती दरों पर बाजार में उतारने के साथ इसपर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगा दिया है।

प्याज़, जिसे पंजाबी में गंडा भी कहा जाता है— वह सब्जी तो है ही, परंतु उससे अधिक भी बहुत कुछ है। यह गरीबों का सहारा है, तो अमीरों के पसंदीदा भोजन— 'रियानी', 'मटन कोरमा', 'चिकन दो प्याजा' इत्यादि की जान भी है। जब कभी गरीब मजदूर दिहाड़ी करते हुए घर से लाई अपनी पोटली को किसी पेड़ की छांव में खोलता है, तब चूल्हे में पकी रोटियों के साथ हरी मिर्च और साबूत प्याज़ की महक उसकी भूख और चमका देती है। एक हाथ से अपने माथे का पसीना पोछते हुए वह मेहनतकश किसी पक्की सतह पर प्याज़ को अपने दूसरे हाथ की मुट्ठी से तोड़कर अपने लिए एक लजीज दस्तरखान बिछा लेता है। कोई तरकारी या दाल न भी हो, तब भी उस गरीब को रोटी, हरी मिर्च, प्याज़ और उसपर पानी का घूंट वह जायका देता है, जो किसी धनी को को पंच-सितारा होटल में भी नसीब नहीं होता है।

प्याज़— केवल सब्जी या किसी गरीब को संबल देने वाला ही नहीं, अपितु गुणकारी प्राकृतिक औषधी भी है। इसमें पर्याप्त मात्रा में सोडियम, पोटेशियम, फोलेट्स, विटामिन ए-सी-ई, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फास्फोरस पाया जाता है। प्याज़— सूजनरोधक, एंटी-एलर्जिक, एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-कार्सिनोजेनिक भी होता हैं। इसके अतिरिक्त प्याज़ मानव हृदय, बालों, हड्डियों आदि के लिए फायदेमंद होने के साथ कैंसर के रोकथाम में भी बहुत उपयोगी है। यदि जैन समुदाय को छोड़ दें, तो प्याज़ सर्वग्राही है और सार्वभौमिकता का आदर्श है। भारतीय व्यंजनों में शामिल कई प्रकार के दालों और सब्जियों में कुछ चंद ही ऐसे पकवान है, जो प्याज़ के बिना भी बन सकते है। अब जो सब्जियां बिना प्याज़ के बन भी जाती है, उनमें एक विशेष स्वाद और गुण का अभाव अवश्य होता है।

प्याज़ बहुमुखी आयाम का मालिक है। भोजन के साथ इसका उपयोग तंज कसने में भी होता है। इस कला में स्वर्गीय फिक्र तौंसवी दक्ष थे। फिक्र का जन्म 1918 में बलूच (अब पाकिस्तान में) स्थित तौंसा शरीफ में हुआ था। उनका शिक्षण लाहौर में हुआ। विभाजन के बाद वे अमृतसर, तो बाद में दिल्ली आकर बस गए। इस्लाम के नाम हुए बंटवारे ने फिक्र को भीतर तक तोड़ दिया और इस पीड़ा को उन्होंने 1948 में 'छठा दरिया' नाम से लेखबद्ध किया। कालांतर में उन्होंने खंडित भारत में व्यंगकार के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त की। तौंसवी ने अपने जीवन में 20 उर्दू और 8 हिंदी पुस्तकों को लेखबद्ध किया था। उनका कॉलम 'प्याज़ के छिलके' मूलरूप से एक उर्दू दैनिक में प्रकाशित होता था, जिसका हिंदी अनुवाद कुछ समाचारपत्रों में भी छपता। पता नहीं कि प्याज़ ने फिक्र को साहित्य की नई बुलंदियों पर पहुंचाया या उनके लेखन ने प्याज़ को अदबिय्यात में नई इज्जत बख्शी।

प्याज़ अपने गुण और स्वभाव के कारण किसी भी परिवेश में अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। यह स्वाद तो बढ़ाता ही है, साथ ही उसे काटने वाले की आंख से आंसू भी निकाल देता है। दुनिया में मौजूद सभी फल-सब्जियों में प्याज़ ही एकमात्र ऐसी वनस्पति है, जो किसी सरकार को पलटने की क्षमता भी रखता है। सुधी पाठक दिल्ली में वर्ष 1998 की उस सियासी घटनाक्रम से परिचित होंगे, जिसमें प्याज़ की अनियंत्रित कीमतों ने तत्कालीन सत्तारुढ़ भाजपा को अपने दो मुख्यमंत्रियों को बदलने पर विवश कर दिया, तो बाद में इसने सरकार को ही गिरा दिया। अनुमान लगाना कठिन नहीं कि इस चुनावी वर्ष में प्याज़ की बढ़ती कीमतें कई सरकारों को सांसत में डाले हुए है।

आखिर प्याज़ के दाम क्यों बढ़ने लगे? देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़, भारी वर्षा, खराब गुणवत्ता वाले प्याज़ की बड़ी हिस्सेदारी, टमाटर के साथ-साथ अन्य सब्जियों की बढ़ी कीमतें प्याज़ की कीमत को प्रभावित कर रही है। स्पष्ट है कि मोदी सरकार टमाटर की तरह प्याज़ की कीमतें बढ़ने से चिंतित है। खाद्य बाजार में इस प्रकार के हालिया सरकारी हस्तक्षेप के केवल एक-दो उदाहरण नहीं हैं। कीमतों को नियंत्रित करने हेतु कुछ विशेष क्षेत्रों में सरकार ने अपने सुरक्षित भंडारों से सस्ती दरों पर प्याज़-टमाटरों के साथ गेहूं-चावल को खुले बाजार में उतारा है, तो गेहूं, गैर-बासमती सफेद चावल और चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध के साथ अरहर, उड़द पर भंडार सीमा तक लगा चुकी है। मोदी सरकार ने इस आशा में भी खाद्य मुद्रास्फीति को थामने का प्रयास किया है, ताकि आरबीआई आगामी दिनों में ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी न करें। आरबीआई द्वारा ऐसा करने से देश में आर्थिक विकास की संभावनाओं को धक्का लगने और मध्यमवर्गीय परिवारों पर दबाव बढ़ने की आशंका बनती है।

भारतीय पाकविद्या में प्याज़ के महत्व को अतिरंजित नहीं किया जा सकता। यदि ईश्वर पूरे ब्रह्मांड में व्याप्त हैं, तो प्याज़ के बिना विश्व की समस्त पाकविद्या अधूरी है। भारतीय राजनीति में प्याज़ का स्थान बहुत अनूठा है। मतदाताओं का मूड सुधारने/बिगाड़ने में प्याज़ की कीमत निर्णायक भूमिका निभाता है। प्याज़ अपनी लोकप्रियता के कारण बाकी किसी मुद्दे को सार्वजनिक विमर्श में गौण करने की भी ताकत रखता है। यह मजेदार बात है कि यदि किसी गली-मोहल्ले, बस-स्टैंड या आस-पड़ोस की राजनीतिक चर्चाओं में तर्क-तथ्यों को उधेड़ा जाता है, तो उस विवाद के अंत में आपसी रिश्ते में खटास के अलावा कोई सार नहीं निकलता। ऐसे ही प्याज़ की परतों को लगातार उधेड़ने पर आखिर में आपके हाथ उसके छिलके ही बचते है। शायद फ़िक्र तौंसवी ने इसी सोच के साथ अपने कॉलम का नाम 'प्याज़ के छिलके' रखा था।

फ्रेंड्स महिला क्लब द्वारा होगा नंद उत्सव का आयोजन

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में फ्रेंड्स महिला क्लब की तरफ से 9 सितंबर को दोपहर 2 बजे 6 बजे तक नंद महोत्सव का आयोजन बहुत ही धूमधाम से किया जाएगा क्लब की संस्थापिका (अध्यक्ष) सपना गोयल ने बताया नन्दोत्सव के आयोजन में बहुत सारी प्रतियोगिताये करवाई जाएगी, जिसमें बच्चो के लिए कृष्ण बनो ,महिलाओ के लिए राधा बनो ,बेस्ट यशोदा, मुख्य है, सपना गोयल ने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी समाज की महिलाएं ,बच्चे भाग ले सकते है जो भी महिलाये या बच्चे जिस प्रतियोगिता में भाग लेंगे वो उसी ड्रेस में आएंगे जो भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनना चाहते है वो जल्दी से अपना रजिस्ट्रेशन 5 सितंबर तक सपना गोयल से करवा लें इसके बाद रजिस्ट्रेशन नही होगा, सभी विजेताओं को क्लब की ओर से इनाम भी दिया जाएगा रजिस्ट्रेशन के लिए दिए गए नम्बर पर सम्पर्क करे।

ग्वालियर 16 पूर्व विधानसभा में कांग्रेस बीएलए ने चुनाव की तैयारी शुरू की

आज ग्वालियर 16 पूर्व विधानसभा के वार्ड 27 के कांग्रेस बीएलए ने पोलिंग बूथ पर जाकर बीएलओ से मुलाकात कर पोलिंग क्षेत्र में जाकर मतदाता सूची का पुनर्निरीक्षण किया साथ में वार्ड 27 मंडलम प्रभारी ब्रजेश धानुक, जिला महामंत्री विजय जैन मामा पार्षद पुत्र राहुल गुर्जर, विधायक प्रतिनिधि प्रतीक जैन, राजेश सोन, मंडलम अध्यक्ष रामलाल बाथम, सेक्टर अध्यक्ष जीतू वर्मा, रिंकू शाक्य, मनीषा केथले, भारत जस्या आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे ।

अनूज बने राष्ट्रीय महासचिव, संयुक्त किसान मजदूर संगठन के

राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम पंडित एवं युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल सचिन के दुबारा आगरा निवासी अनूज शिवहरे को संगठन में राष्ट्रीय महासचिव मनोनीत किया है अपनी इस नये दायित्व पर शिवहरे ने बरिष्ठ नेतृत्व का आभार जताया उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि संगठन के प्रति निष्ठा और ईमानदारी से संगठन को मजबूत करने का काम करूंगा आम गरीब मजदूर किसान की लड़ाई को लड़ने का काम करूंगा इससे पहले भी शिव हरे सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों में सक्रिय रूप से काम करते हुए आ रहे हैं और कमजोर एवं मजदूर के हितों की लड़ाई को लड़ने का काम करते हैं

लोग अपने बुजुर्ग माता-पिता को घर से निकाल देते हैं लेकिन मानव जन कल्याण संस्था में अनाथ लावारिस पीड़ित दयनीय स्थिति में पड़े वृद्ध जनों को अपना मन कर सेवा की जाती है : नागेंद्र सिंह राठौर

मानव जन कल्याण संस्था दतिया मैं आदरणीय नागेंद्र सिंह राठौर विधायक 195 भोजपुर फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश का आगमन हुआ जिन्होंने दिव्यांग मूक बधिर बच्चों से भारतीय सांकेतिक भाषा में परिचय किया एवं सभी दिव्यांग बच्चों एवं वृद्ध जनों को दोपहर के भोजन प्रसादी व्यवस्था की। साथ ही संस्था की गतिविधियों के बारे में जाना । और विद्यालय के प्रांगण में विधायक द्वारा वृक्षारोपण किया गया । इस मौके पर मानवेंद्र सिंह तोमर वरिष्ठ समाजसेवी पुनीत टिलवानी वरिष्ठ समाजसेवी सुखसिंह गौतम अध्यक्ष मानव जन कल्याण संस्था, अमित गौतम अधीक्षक मुक वधिर आवासीय विद्यालय, मयंक दित्य आदि लोग उपस्थित रहे।

ज्ञानतीर्थ पर महिलाओं ने मनाया तीज का त्योहार

मुरेना (मनोज नायक) ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर में ज्ञानोदय समिति की महिलाओं ने तीज का त्योहार हर्षोल्लास पूर्वक मनाया । हरियाली तीज के पावन पर्व पर ज्ञानोदय समिति की सभी महिलाएं सुबह सबेरे ही धौलपुर आगरा सड़के पर स्थित श्री ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर पहुंच गई । सभी ने सर्वप्रथम भगवान श्री आदिनाथ एवम श्री पार्श्वनाथ की पूजा अर्चना की व ज्ञानतीर्थ पर चतुर्मासरत आचार्य श्री वरयेशसागर महाराज, मुनिश्री ज्ञातसागर महाराज, मुनिश्री निरोगसागर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया । सावन की हरियाली और बारिश की फुहारों के बीच हरियाली तीज महोत्सव ब्र. अनीता दीदी, मंजूला दीदी, ललिता दीदी के निर्देशन में मनाया गया । इस अवसर पर धार्मिक भजन, लऊजी गेम प्रतियोगिता और हरियाली व्यूह प्रतियोगिता रखी गई। कार्यक्रम का संचालन ललिता दीदी और सरिता जैन ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सबसे पहले मंगलाचरण शालनी जैन के द्वारा किया गया। उसके बाद सभी महिलाओं को जैन भजन लऊजी गेम खिलाया गया। हरियाली तीज महोत्सव में सभी महिलाएँ सोलह श्रृंगार करके आई थी जो एक सुहागन महिलाओं का प्रतीक श्रृंगार होता हैं। सभी महिलाओं ने सावन के गल्हार गीत एवम भजन भी गाये। हरियाली तीज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शालनी जैन, द्वितीय स्थान बुलबुल जैन, तृतीय स्थान रुबी जैन ने प्राप्त किया । नेहा जैन ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। अन्त में सभी ने झुला भी झूले। ज्ञानोदय समिति की सदस्या अनीता जैन, नीलू जैन, मोना जैन, सरिता जैन, कल्पना जैन, बीना जैन, जुली जैन, प्रीति जैन, रीना जैन, मंजु जैन, सुरभि जैन, दीपा जैन, नीलम जैन, बंधन जैन, मीरा जैन, रश्मी जैन, रुबी जैन, ब्रजलता जैन सभी सदस्य मौजूद रही । इस अवसर पर बामौर, पोरसा और जौरा की भी महिलाएँ उपस्थित रही।

पार्षद की धांधली को लेकर नगर वासियों ने सीएमओ को दिया लिखित आवेदन

वार्ड क्रमांक 01 के ग्रामीणों ने लगाए पार्षद पर रिश्वत के आरोप

संवाददाता प्रदीप जैन (पिंटू) रत्नौद

शिवपुरी जिले की रत्नौद नगर परिषद शुरू से ही विवादों में गिरी नजर आ रही है प्रधानमंत्री आवास को लेकर आए दिन नगर वासी घेराव कर रहे हैं जहां दूसरी ओर बार्ड क्रमांक 1 मैं प्रधानमंत्री आवास की किस्त को लेकर विवाद की स्थिति बनती नजर आ रही है जहां वार्ड क्रमांक 01 के नगर वासियों ने रत्नौद नगर परिषद प्रांगण में आकर पार्षद उमेश उपाध्याय के खिलाफ में एक ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की है, जिसमें ग्रामीणों ने बताया है प्रधानमंत्री आवास की दूसरी किस्त डलवाने की ऐवज में 10 हजार रूपये की मांग की जा रही है वहीं दूसरी ओर नगर परिषद से भेजी गई सामग्रियों का उपयोग नगर वासी ना करते हुऐ वह स्वयं अपने घर पर रख लिए। जैसे शौचालय ,लाइट, कुर्सियों कीटनाशक दवाईया आदि सामान बताया गया है, आक्रोशित नगर वासियों ने नगर परिषद में काफी विरोध प्रदर्शन किया जिन लोगों को आवास का लाभ मिलना था उन्हें आवास नहीं दी गई जिनके पहले से पक्के मकान बंदूक ट्रेक्टर जमीन है उन्हें प्रधानमंत्री आवास का लाभ दिया गया है ,और बताया गया है पुराने पक्के मकान के फोटो खिंचवाकर किस्त पार्षद ने डलवा दी, इस धांधली से परेशान होकर आज विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने थाने में भी दिया आवेदन-नगर परिषद रत्नोद की ओर से कीटनाशक दवाइयां वार्ड क्रमांक 1 में भेजी गई थी जहां नगर वासी और पार्षदों में नोक झोक होने के कारण वह छिड़काव नहीं हो पाया, इसी बात को लेकर पार्षद और ग्रामीणों में फोन पर नौकझौक होती रही जिसमें पार्षद कह रहे हैं कि यदि मैं एसपी से शिकायतक करता तो नेगमा छावनी बन जाती, इसी बात को लेकर आज रत्नौद थाने में पार्षद उमेश उपाध्याय के खिलाफ पुलिस में आवेदन दिया गया।।

1-हां वार्ड क्रमांक 1 से नगर वासियों ने आज मुझे पार्षद उमेश उपाध्याय की शिकायत को लेकर आवेदन दिया है कल मैं मौके पर जाकर उनका समाधान करूंगा- रमेश भार्गव सीएमओ रत्नौद।

2. कोई साबित कर दे तो मैं पार्षद पद से इस्तीफा दे दूंगा, राजनीतिक षड्यंत्र के कारण मुझ पर यह आरोप लगाए जा रहे हैं जो लोग मेरे साथ चुनाव लड़े थे वही मेरी झूठी शिकायत कर रहे हैं मैने किसी से कोई पैसा नहीं लिया है कुर्सियां और लाइट शौचालय सीएमओ साहब आकर देख ले कहां पर रखें है लोग मुझ पर निराधर आरोप लगा रहे हैं -उमेश उपाध्याय पार्षद वार्ड क्रमांक एक रत्नौद।

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन एचआर वर्कशॉप आयोजित

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा वर्तमान में जॉब मार्केट के बदलते हुए परिवेश को ध्यान में रखते हुए छात्रों के लिए एचआर कार्यशाला का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में वाइस प्रेसिडेंट ऑप्रेशन एवं यूनिट हेड एसआरएफ लिमिटेड राजेश खन्ना और एचआर हेड एंड लीगल ट्रॉपिलाइट फूड्स प्राइवेट लिमिटेड मौजूद रहे वक्ताओं ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल की दुनिया में नौकरियों की प्राप्ति के लिए तैयारी महत्वपूर्ण है। पहले से बेहतर माध्यमों का उपयोग करके नौकरी की मांगों के अनुसार तैयारी करने के लिए समय निकालें। नौकरी के क्षेत्र में नवाचारों का पालन करें और नए कौशल सीखने का प्रयास करें। साक्षरता को बढ़ावा दें और आत्म-विश्वास को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। समृद्धि प्राप्ति के लिए नौकरी की तैयारी को निरंतरता और प्रतिबद्धता के साथ जारी रखें। कार्यक्रम संयोजन मुस्कान गुप्ता एवं गौतम कुशवाह ने एवं आभार व्यक्त संस्था संस्थापक आकाश बरूआ ने किया किया इस अवसर पर साक्षी भदौरिया, आर्यन साहू ,आकाश त्रिपाठी, जयेश श्रीवास्तव मोहित सिंह,अंशुल मिश्रा सहित सभी सदस्य मौजूद रहे।

शैलेन्द्र बौहरे बने किसान कांग्रेस सबलगढ़ के ब्लॉक अध्यक्ष

सबलगढ़ शैलेन्द्र बौहरे की संगठन मे रूचि एवं सक्रियता को देखते हुये प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष दिनेश गुर्जर एवं स्थानीय विधायक बैजनाथ कुशवाहा की अनुशंसा पर जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह डांगस ने ब्लॉक सबलगढ़ में नियुक्त किया है आशा है कि राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ख?गे एवं राहुल गांधी की भावना एवं कांग्रेस की विचार धारा के अनुरूप सक्रियता के साथ कार्य करते हुये संगठन एवं कांग्रेस पार्टी को गतिशीलता प्रदान करेंगे ब्लॉक अध्यक्ष बनने के बाद शैलेंद्र शर्मा का कहना है कि वरिष्ठ नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है उसे निभाने के लिए में पूरी तरह से संकल्पित हूं। सबलगढ़ के किसानों की समस्याओं जैसे की खाद, बीज, बढ़ती डीजल की कीमत,बिजली आपूर्ति न होना ऐसी जटिल समस्याओं को लेकर संघर्ष करुंगा एवं सभी को संगठित करके आने वाले चुनाव में कांग्रेस के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करूंगा।बरिष्ठजन सियापोस शर्मा राजेन्द्र सिंह जादौन अशोक रामपुरी सुरेन्द्र सिंह जादौन नीरज बजाज अशोक शुक्ला द्वारा बधाई दी गई।

सागर में संत रविदास विश्वविद्यालय खोला जाएगा, मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया वायदा, चुनावी कैंपेन की शुरुआत

मप्र विधानसभा चुनाव 2023 की अधिकृत घोषणा के पहले ही चुनावी रैलियां और सभाएं शुरू हो गई हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को सागर की धरती से चुनावी कैम्पैन की शुरुआत कर दी। खड़गे ने कहा कि मप्र में कांग्रेस की सरकार बनते ही सागर में संत रविदास के नाम पर विश्वविद्यालय खोला जाएगा। उन्होंने मंच से कांग्रेस के 53 साल में मप्र में जो बड़ी-बड़ी उपलब्धियां थीं, उनका रिपोर्ट कार्ड भी दिया। सागर में पहली दफा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आए। उन्होंने सभा के दौरान मोदी-शाह और शिवराज सरकार को जमकर घेरा। कर्नाटक से लेकर मणिपुर हिंसा तक की बात करते हुए कहा कि संत रविदास कहते थे, ऐसा चाहूं राज मैं, मिले सबन को अन्न... बाबा साहब कहते थे हमें बदला नहीं, बदलाव के लिए काम करना चाहिए...। लेकिन देश और मप्र में इसके उलट काम हो रहा है। भाजपा के मोदी-मंदिर मैजिक की काट के रूप में खड़गे ने मंच से घोषणा करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार बनते ही हम सागर में संत रविदास के नाम परविश्व विद्यालय की स्थापना कराएंगे। उन्होंने प्रदेश की महिलाओं को 1500 रुपए महिला की बात कहते हुए कहा कि हमारे पास पैसा आते ही इसको और बढ़ाया जाएगा। 500 रुपए में गैस सिलेंडर, 100 रुपए में 100 यूनिट बिजली देने का वायदा किया।

लाखा बंजारा से लेकर डॉ. गौर, और बलिदानियों को याद किय-मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने संबोधन की शुरूआत में बुंदेलखंड और सागर के वीर शहीदों, लाखा बंजारा, डॉ. हरीसिंह गौर से लेकर संत रविदास और भीम राव अंबेडकर तक को याद किया। उन्होंने कहा कि कलम नाथ जो कहते हैं वो करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसलिए उनका नाम नाथ है। मैं कमल को छोड़कर नाथ को पकड़ लेता हूं। बात को धर्म पर ले जाते हुए कहा कि नाथ पंथ जितने भी पंथ हैं वे लोगों की सेवा के लिए ही होते हैं।

सागर में संत रविदास विश्वविद्यालय खोला जाएगा, मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया वायदा, चुनावी कैंपेन की शुरुआत

मप्र विधानसभा चुनाव 2023 की अधिकृत घोषणा के पहले ही चुनावी रैलियां और सभाएं शुरू हो गई हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को सागर की धरती से चुनावी कैम्पैन की शुरुआत कर दी। खड़गे ने कहा कि मप्र में कांग्रेस की सरकार बनते ही सागर में संत रविदास के नाम पर विश्वविद्यालय खोला जाएगा। उन्होंने मंच से कांग्रेस के 53 साल में मप्र में जो बड़ी-बड़ी उपलब्धियां थीं, उनका रिपोर्ट कार्ड भी दिया। सागर में पहली दफा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आए। उन्होंने सभा के दौरान मोदी-शाह और शिवराज सरकार को जमकर घेरा। कर्नाटक से लेकर मणिपुर हिंसा तक की बात करते हुए कहा कि संत रविदास कहते थे, ऐसा चाहूं राज मैं, मिले सबन को अन्न... बाबा साहब कहते थे हमें बदला नहीं, बदलाव के लिए काम करना चाहिए...। लेकिन देश और मप्र में इसके उलट काम हो रहा है। भाजपा के मोदी-मंदिर मैजिक की काट के रूप में खड़गे ने मंच से घोषणा करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार बनते ही हम सागर में संत रविदास के नाम परविश्व विद्यालय की स्थापना कराएंगे। उन्होंने प्रदेश की महिलाओं को 1500 रुपए महिला की बात कहते हुए कहा कि हमारे पास पैसा आते ही इसको और बढ़ाया जाएगा। 500 रुपए में गैस सिलेंडर, 100 रुपए में 100 यूनिट बिजली देने का वायदा किया।

लाखा बंजारा से लेकर डॉ. गौर, और बलिदानियों को याद किया-मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने संबोधन की शुरूआत में बुंदेलखंड और सागर के वीर शहीदों, लाखा बंजारा, डॉ. हरीसिंह गौर से लेकर संत रविदास और भीम राव अंबेडकर तक को याद किया। उन्होंने कहा कि कलम नाथ जो कहते हैं वो करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसलिए उनका नाम नाथ है। मैं कमल को छोड़कर नाथ को पकड़ लेता हूं। बात को धर्म पर ले जाते हुए कहा कि नाथ पंथ जितने भी पंथ हैं वे लोगों की सेवा के लिए ही होते हैं।

सार समाचार

दो साल में पहली बार अमेरिकी ओपन खेलेंगे जोकोविच

न्यूयॉर्क । नोवाक जोकोविच दो साल में पहली बार अमेरिकी ओपन खेलने पहुंच गए हैं और उनकी नजरें रिकॉर्ड 24वें ग्रैंडस्लैम खिताब पर लगी होंगी। पिछले साल कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण उन्हें अमेरिका में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली थी। वह कैलिफोर्निया और फ्लोरिडा में भी टूर्नामेंट नहीं खेल सके थे। उन्होंने सोमवार से शुरू हो रहे टूर्नामेंट के लिये यहां पहुंचने के बाद कहा, मुझे गुस्सा नहीं आया था। पिछले साल अमेरिकी ओपन के दौरान मलाल जरूर हुआ था कि मैं यहां क्यो नहीं हूं। मुझे नहीं खेल पाने का दुख था। लेकिन अब मैं यहां हूं और बीती बातों के बारे में नहीं सोच रहा। मेरा फोकस इस टूर्नामेंट पर है। पिछली बार 2021 में वह अमेरिकी ओपन फाइनल में दानिल मेदवेदेव से हार गए थे। जोकोविच पुरूष टेनिस में सबसे ज्यादा 23 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीत चुके हैं लेकिन अगर वह यहां जीतते हैं तो ओपन युग में सबसे अधिक 24 खिताब जीतने वाली सेरेना विलियम्स को पीछे छोड़ देंगे।

रणनीति पर अमल नहीं कर सकेः सात्विक

कोपनहेगन, ...। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी ने स्वीकार किया कि वह और उनके जोड़ीदार चिराग शेट्टी विश्व चैम्पियनशिप क्वार्टर फाइनल में रणनीति पर अमल नहीं कर सके लेकिन उन्होंने कहा कि कड़ी चुनौती देकर उन्होंने साबित कर दिया कि वे चैम्पियन की तरह खेल सकते हैं। सात्विक और चिराग विश्व चैम्पियनशिप में दूसरे पदक से चूक गए और क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स एस रासमुस्सेन से हार गए। पिछली बार उन्होंने कांस्य पदक जीता था। सात्विक ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि रणनीति पर अमल नहीं कर सके। हमने खराब खेला लेकिन फिर भी मुकाबला करीबी था। हम सहज नहीं खेल पा रहे थे लेकिन मैच 21. 18, 21. 19 तक ले गए जो बताता है कि हम चैम्पियन की तरह खेल सकते हैं।

त्रिकूद खिलाड़ी यूलिमर रोजास ने जीता लगातार चौथा विश्व खिताब

बुडापेस्ट, । वेनेजुएला की त्रिकूद खिलाड़ी यूलिमर रोजस ने यहां विश्व चैम्पियनशिप त्रिकूद स्पर्धा में शुक्रवार को अपने छठे और अंतिम प्रयास में 15.08 मीटर (49 फुट, 5 3/4 इंच) की कूद लगाकर लगातार चौथा विश्व खिताब जीत लिया। तोक्यो ओलंपिक में उनके स्वर्ण पदक को जोड़ा जाए तो वर्ष 2017 के बाद से उन्होंने प्रमुख पांच मुकाबलों में सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया है। रोजस ने कहा, मैंने शब्दों को तलाशने कोशिश नहीं की बल्कि उन सभी लम्हों के बारे में सोचा जहां मैंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। यह बहुत मुश्किल था। तथ्य यह है कि अपने आखिरी प्रयास में प्रतियोगिता को जीतना इसे बहुत खास और यादगार बनाता है।

भारत ने 14 पदकों के साथ विश्व चैंपियनशिप को कहा अलविदा

भारत ने निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप में छह स्वर्ण और आठ कांस्य सहित 14 पदक जीतकर अपने शानदार अभियान का अंत किया।

बाकू ■

भारत ने निशानेबाज़ी विश्व चैंपियनशिप 2023 में छह स्वर्ण और आठ कांस्य सहित 14 पदक जीतकर अपने शानदार अभियान का अंत किया। ओलंपिक और गैर-ओलंपिक नियमित शूटिंग प्रतियोगिताएं शुक्रवार को संपन्न हुईं। चैंपियनशिप में रनिंग स्पर्धाएं 31 अगस्त तक जारी रहेंगे लेकिन इनमें कोई भारतीय भाग नहीं लेगा।

वर्तमान में भारतीय शूटिंग टीम कुल पदक तालिका में चीन (15 स्वर्ण, सात रजत, छह कांस्य) के बाद दूसरे स्थान पर है। पांच स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित आठ पदक जीतकर अमेरिका तीसरे स्थान पर है। चार भारतीय निशानेबाज़ों ने चैंपियनशिप के दौरान पेरिस ओलंपिक 2024 के लिये भी क्वालीफाई किया। राजेश्वरी कुमारी (महिला ट्रैप), सिफ्त कौर समरा (महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन), अखिल श्योराण (पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन) और मेहुली घोष (महिला 10 मीटर एयर राइफल) ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में ओलंपिक कोटा हासिल किया। तियाना, साक्षी सूर्यवंशी और किरणदीप कौर की 50 मीटर पिस्टल महिला टीम ने शुक्रवार को स्वर्ण पदक के साथ भारत का अभियान समाप्त किया। अमनप्रीत सिंह ने पुरुषों की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि शिव नरवाल और ईशा सिंह ने मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण हासिल किया।

रिदम सांगवान, ईशा सिंह और मनु भाकर की भारतीय महिला तिकड़ी ने महिलाओं की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और अखिल श्योराण ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 टीम स्पर्धा में, जबकि मेहुली घोष तिलोत्तमा सेन और रमिता ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किये।

रूद्रांक्ष ने कर्णी सिंह रेंज पर विश्व चैम्पियनशिप से बेहतर प्रदर्शन किया

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष दस मीटर एयर राइफल निशानेबाज रूद्रांक्ष पाटिल अगर आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप में जाते तो स्वर्ण पदक जीत सकते थे क्योंकि कर्णी सिंह रेंज पर समान माहौल में उन्होंने बाकू में चल रहे टूर्नामेंट के चैम्पियन से बेहतर प्रदर्शन किया। रूद्रांक्ष को बाकू गए 53 सदस्यीय दल में शामिल नहीं किया गया था क्योंकि वह पिछले साल ही पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर चुके हैं।

उन्हें हालांकि हांगझोउ एशियाई खेलों और ओलंपिक की तैयारी के लिये कर्णी सिंह रेंज पर बाकू के समान प्रतिस्पर्धी माहौल दिया गया। उन्होंने समान समय पर प्रतिस्पर्धा में बाकू में स्वर्ण पदक जीतने वाले से बेहतर स्कोर किया। भारत ने बाकू में छह स्वर्ण और आठ कांस्य पदक जीते हैं और फिलहाल चीन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। एक सितंबर को खत्म होने वाली चैम्पियनशिप में भारतीयों के मुकाबले समाप्त हो चुके हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने रूद्रांक्ष को पुणे से दिल्ली बुलाया और बाकू में प्रतिस्पर्धा के समय पर ही उनसे भी यहां कर्णी सिंह रेंज पर निशाना लगवाया गया। उन्होंने क्वालीफिकेशन दौर में 630 स्कोर करके बाकू में एयर राइफल स्पर्धा में फाइनल में जगह बनाने वाले आठ निशानेबाजों में छठा स्थान हासिल किया। रूद्रांक्ष ने कहा, यह अच्छी बात है कि मुझे रीयलटाइम शूटिंग के लिये दिल्ली बुलाया गया। इस तरह की प्रतिस्पर्धा निशानेबाज के लिये बहुत महत्वपूर्ण है और मैं भारतीय खेल प्राधिकरण और राइफल महासंघ को धन्यवाद देता हूं।

ब्रूक के लिये बंद नहीं हुए वनडे विश्व कप के दरवाज़े

चेस्टर ली स्ट्रीट ■

इंग्लैंड के सीमित ओवर कप्तान जॉस बटलर ने अंदेशा जताया है कि युवा प्रतिभावान बल्लेबाज हैरी ब्रूक के लिये अभी टीम के दरवाज़े बन्द नहीं हुए हैं और वह एकदिवसीय विश्व कप के लिये भारत आने वाली टीम का हिस्सा हो सकते हैं। गौरतलब है कि अनुभवी हरफनमौला बेन स्टोक्स के संन्यास वापस लेने के कारण ब्रूक न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिये चुनी गयी स्क्वाड में जगह नहीं बना सके। ब्रूक जनवरी 2022 में इंग्लैंड के लिये पदार्पण करने के बाद से तीनों प्रारूपों में प्रभावशाली प्रदर्शन कर चुके हैं, हालांकि स्टोक्स की वापसी ने समीकरण बदल दिये हैं।

बटलर ने कहा,बेन स्टोक्स का वापस आना ओर सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर (विश्व कप के लिये) उपलब्ध रहना काफी हद तक समीकरण बदल देता है। बेन एक शानदार खिलाड़ी हैं, इसलिये चयन का यह फैसला थोड़ा कठिन था। उन्होंने कहा,अभी सबके प्लेन में चढ़ने में समय है, इसलिये हम इंतज़ार करेंगे और देखेंगे कि क्या होता है।

विश्व कप से लगभग बाहर होने के बाद ब्रूक ने कहा था,यह साफ तौर पर निराशाजनक है लेकिन इस बारे में कुछ नहीं किया जा सकता। आपको आगे बढ़ना ही होगा।

मैं उसके बारे में नहीं सोच रहा। ब्रूक ने हाल ही में इंग्लैंड के अनूठे टूर्नामेंट 'द हंड्रेड' में 41 गेंद पर शतक जड़कर अपनी काबिलियत का प्रमाण दिया। उन्होंने नॉर्थर सुपरचार्जर्स की ओर से खेलते हुए 42 गेंद पर नाबाद 105 रन बनाये, जिसमें 11 चौके और सात छक्के शामिल रहे। बटलर ने कहा,हम सभी जानते हैं कि हैरी एक शानदार खिलाड़ी है और हमने देखा भी क्या वह क्या कर सकता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, हम जानते हैं कि वह कितना शानदार खिलाड़ी है।

दुर्भाग्यशाली से वह इस समय टीम में नहीं है। उन्होंने कहा,हम प्रतिभाओं की भरमार के मामले में बहुत मजबूत हैं। ऐसे कई बेहतरीन खिलाड़ी हैं जो इस समय (न्यूजीलैंड सीरीज के लिये चुनी गयी) उस अस्थायी टीम में नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों में सीमित ओवर वाली टीमों में यह इंग्लैंड टीम की प्रकृति रही है, जो हमारे लिए एक अच्छा संकेत है। ऐसी समस्याएं होना अच्छा है।

चौथे नंबर के लिये परफेक्ट हैं विराट कोहलीः डिविलियर्स

नई दिल्ली ■

दक्षिण अफ्रीका के महान क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का मानना है कि विश्व कप में भारत के लिये चौथे नंबर पर विराट कोहली सर्वश्रेष्ठ विकल्प हैं क्योंकि वह मध्यक्रम में हर भूमिका निभाकर पारी के सूत्रधार बन सकते हैं। युवराज सिंह के क्रिकेट से संन्यास के बाद से भारत को चौथे नंबर के लिये सही विकल्प नहीं मिला है। दो महीने बाद भारत में वनडे विश्व कप होना है और इस क्रम को लेकर बहस जारी है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम अभी भी यह बात कर रहे हैं कि भारत के लिये चौथे नंबर पर कौन उतरेगा। मैंने सुना है कि विराट उतर सकता है।

मैं भी इसका समर्थक हूं। उन्होंने कहा, विराट चौथे नंबर के लिये परफेक्ट हैं। वह पारी का सूत्रधार बन सकता है और मध्यक्रम में हर भूमिका निभाने में सक्षम है। उन्होंने कहा, हमें पता है कि उसे तीसरे नंबर पर उतरना पसंद है। उसने अपने सारे

रन उसी क्रम पर बनाये है लेकिन आखिर मे अगर टीम आपसे कोई विशेष भूमिका चाहती है तो आपको उसे निभाना होता है।

कोहली ने चौथे नंबर पर भी 39 पारियों में 1767 रन बनाये हैं। वह हालांकि आखिरी बार चौथे नंबर पर जनवरी 2020 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुंबई में खेले थे। एशिया कप के लिये लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को भारतीय टीम से बाहर किये जाने से निराश डिविलियर्स ने कहा, चहल को बाहर किया गया है। चयनकर्ताओं ने संकेत दे दिये हैं कि वे किसे चुनेंगे। मैं इससे निराश हूं। युजी उम्दा गेंदबाज है और टीम में लेग स्पिन का विकल्प होना ही चाहिये।

खेल सुर्खियां

अवनि ने स्वीडन में एलईटी एक्सेस टूर खिताब जीता

ह्यूर ■

अमेच्योर गोल्फर अवनि प्रशांत यहां एशसेल फाइनल में 'बेक नाइन' होल में शानदार प्रदर्शन की बदौलत इस साल यूरोप में खिताब अपने नाम करने वाली तीसरी भारतीय बन गयीं। अवनि ने शुक्रवार को अंतिम सात होल में चार बर्डी और एक ईगल लगाकर लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) एक्सेस सीरीज का खिताब जीता। किसी भारतीय महिला गोल्फर ने इस टूर्नामेंट में पहली बार खिताब जीता है। हालांकि अदिति अशोक और दीक्षा डागर इस सत्र के शुरु में मुख्य लेडीज यूरोपीय टूर खिताब जीत चुकी हैं।

अवनि (16 वर्ष) ने पहले दो दौर में 72 और 71 के कार्ड खेले थे जिससे वह 36 होल के बाद संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर चल रही थीं। अंतिम दौर में उनकी शुरुआती अच्छी नहीं रही, वह पहले और चौथे होल में बोगी कर बैठीं। पर उन्होंने पांचवें और आठवें होल में बर्डी लगाकर इसकी भरपायी की। वह 11 होल के बाद इवन पार चल रही थीं जिससे शीर्ष 10 में

उनका स्थान तय हो गया था।

पर बैक नाइन पर शानदार प्रदर्शन करके वह पहले स्थान पर रहने में सफल रही जिसमें उन्होंने बर्डी और ईगल लगाये। अवनि ने खिताब जीतने के बाद कहा, मेरी शुरुआत जिस तरह से हुई, उसके बाद पांच अंडर पार में रहना शानदार होता लेकिन खिताब जीतना और भी शानदार है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेरा पहला पेशेवर खिताब है।

उन्होंने कहा, हवा के कारण पहले चार होल खेलने में मुश्किल हुई।

नौवें होल के बाद मैं पार पर थी और फिर बैक नाइन पर हवा थोड़ी कम थी जिसका मैंने पूरा फायदा उठाया। अवनि ने इस साल मनीला में क्वीन सिरिकिट कप जीता था और अब उनकी निगाहें अगले महीने हांगझोउ में एशियाई खेलों में खेलने वाली भारत सबसे युवा गोल्फर बनने पर लगी हैं। भारत की अस्मिता सतीश और विधात्री उस कट से चूक गयी थीं।

बाबर में दिखती है कोहली की झलकः मूडी

नई दिल्ली । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और कोच टॉम मूडी ने कहा है कि उन्हें पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म में भारतीय दिग्गज विराट कोहली की झलक दिखती है। मूडी ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, ₹वह मुझे काफी हद तक विराट कोहली की याद दिलाते हैं। वह जिस तरह से पारंपरिक क्रिकेट शॉट खेलते हैं। ऐसा लगता है कि वह खेल को बहुत अच्छे से समझते हैं, पढ़ते हैं, जो कोहली ने एक दशक से अधिक समय से किया है। वह रनों की पीछा भी बहुत अच्छी तरह करते हैं, जैसा कि विराट कोहली कई वर्षों से करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹दोनों के बीच बहुत समानताएं हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि विराट का एशिया कप बाबर आजम से बेहतर होगा, लेकिन उन दोनों पर समान दबाव हो सकता है और उन्हें देखने में मजा आयेगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी बाबर की सराहना की, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि लंबे समय तक अपने प्रदर्शन को बरकरार रखना कोहली और सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ियों को महान बनाता है।मांजरेकर ने कहा, तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों का करियर लगभग 10-15 साल तक चला है और जब भी कोई उभरता हुआ सितारा आता है, तो उसकी तुलना इन खिलाड़ियों से की जाती है, जो लंबे समय तक दौड़ में रहे हैं।

पीसीबी के मेहमान बनकर पाकिस्तान जायेंगे बिन्नी, शुक्ला

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रॉजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला एशिया कप की मेजबानी के उपलक्ष्य में पीसीबी के मेहमान बनकर पाकिस्तान जायेंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की ओर से शनिवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष ज़का अशरफ़ ने 15 अगस्त को बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों को निमंत्रण भेजा था। बीसीसीआई सहित भाग लेने वाली टीमों के सभी शीर्ष बोर्ड सदस्यों ने अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है।

दो सितंबर को श्रीलंका के पाल्लेकेले स्टेडियम में भारत-पाकिस्तान मैच के एक या दो दिन बाद बिन्नी और राजीव शुक्ला वाघा बॉर्डर होते हुए लाहौर जायेंगे, जहां वे एक रात्रिभोज में शामिल होंगे। गौरतलब है कि बीते कुछ महीनों में दोनों बोर्ड कई विषयों पर एक-दूसरे से बरहम रहे हैं, हालांकि पीसीबी ने हाल ही में अपनी टीम को एकदिवसीय विश्व कप के लिये भारत आने की मंज़ूरी देकर तनाव कम करने की ओर कदम बढ़ाया था। रिपोर्ट के अनुसार, इस यात्रा पर संबंधित बोर्ड प्रमुखों के बीच कोई आधिकारिक बैठक नहीं होने वाली है।

बिन्नी और शुक्ला अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान तीन या पांच सितंबर को गद्दाफी स्टेडियम में एक मैच भी देख सकते हैं। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तान जाने से मना किया था, जिसके कारम पीसीबी को एशिया कप के 13 में से चार मैचों की मेजबानी ही दी गयी है।

बीरू मल क्यों द्रोणाचार्य अवार्ड के हकदार हैं!

■ राजेंद्र सजवान

हॉकी जादूगर मेजर ध्यान चंद के जन्मदिन पर देश के श्रेष्ठ खिलाड़ियों और गुरुओं को सम्मानित करने की परंपरा का निर्वाह हर साल किया जाता है। द्रोणाचार्य, अर्जुन, खेल रत्न और ध्यान चंद पुरस्कार पाने वाले सम्मानितों में बहुत से ऐसे नाम भी शामिल हैं, जिनकी उपलब्धियों पर सवाल खड़े किए गए। दूसरी तरफ ऐसे भी हैं जिन्होंने ताउम्र कड़ी मेहनत की, खेल और खिलाड़ियों के प्रति समर्पित रहे लेकिन उन्हें कोई बड़ा सम्मान नहीं मिल पाया। ऐसे उपेक्षितों में एक नाम बीरू मल शर्मा का है, जिन्होंने भारतीय फुटबाल के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया लेकिन उन्हें कोई सम्मान नहीं मिल पाया।

बीरूमल उन बिरले कोचों में रहे हैं जिन्होंने जमीनी स्तर पर काम किया और गुप चुप दुनिया से चले गए। एनआईएस पटियाला से लेकर देश विदेश में उनके काम को सराहा गया लेकिन देश की सरकारों और फुटबाल का कारोबार करने वालों ने कभी उनकी सुध नहीं ली। बिना शोर शराबे के उन्होंने अपनी फुटबाल यात्रा को आगे बढ़ाया, फुटबाल पर कई किताबें लिखीं, अनेकों खिलाड़ियों और

कोचों को पाठ पढ़ाया लेकिन बदले में उन्हें कुछ भी नहीं मिला।

18 अगस्त को करनाल में उनका देहांत हुआ, जिसकी खबर तक नहीं छप पाई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बहुमुखी प्रतिभा के धनी बीरू मल शांत चित्त और दिखावे से दूर रहने वाले व्यक्तित्व थे। पब्लिसिटी से वे मीलों दूर रहे। पद और प्रतिष्ठा को कभी सिर माथे नहीं चढ़ने दिया। चूंकि दिखावा और चापलूसी से दूर थे इसलिए सरकारों और भारतीय फुटबाल फेडरेशन ने उनकी काबिलियत को कभी महत्व नहीं दिया। नतीजन चुपचाप देह त्याग कर चले गए।

लेकिन बीरू मल होने के मायने तब पता चले जब उनके सैकड़ों शिस्यों ने देर सबेर उनकी खबर लेनी शुरू की। भले ही राष्ट्रीय मीडिया ने उनका हालचाल नहीं पूछा लेकिन इस पत्रकार द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के बाद उनके देह त्याग की खबर देश विदेश में फैल गई। उनके सैकड़ों शिष्यों के फ़ोन आने लगे। हर किसी की जुबान पर उनकी भलमनसाहत और फुटबाल ज्ञान के चर्चे थे। उन्हें सबसे बड़ा दुख इस बात का था कि कोच साहब बिना किसी बड़े राष्ट्रीय सम्मान के चले गए। बेशक, चुपचाप रहने और और गंभीरता से अपने काम को अंजाम देने की उन्हें सजा मिली।

बीरू मल के शिष्यों के अनुसार उन्हें खेल और लेखन के अलावा और कुछ नहीं सूझता था। लेकिन काबिलियत और उपलब्धियों के हिसाब से उन्हें सालों पहले द्रोणाचार्य अवार्ड मिल जाना चाहिए था। उनके द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ी और कोचों ने देर से ही सही, उन्हें मरणोपरांत द्रोणाचार्य अवार्ड देने की मांग की है। ठीक वैसे ही जैसे मुक्केबाजी कोच हवा सिंह और एथलेटिक कोच आर गांधी को सम्मानित किया गया था।

कृति ने सिद्धिविनायक मंदिर में की पूजा

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने फिल्म मिमी के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्डस 2023 के विजेताओं का ऐलान हो गया है। आलिया भट्ट को गंगूबाई काठियावाड़ी और कृति सैनन को मिमी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया है। नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद कृति सैनन बेहद खुश है। इस बीच वह अपने पूरे परिवार के साथ बप्पा के दर्शन करने के लिए सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची। कृति और उनकी छोटी बहन नूपुर ने दर्शन के बाद लोगों के बीच बप्पा का प्रसाद बांटा। उन्होंने वहां मोजूद सभी को अपनी जीत की खुशी में मिठाईयां भी खिलाई और सबको थैंक्स भी कहा। कृति ने अपने माता-पिता और बहन के साथ वहां मोजूद लोगों के साथ सेल्फी भी क्लिक करवाई।

साथ काम करेंगे नवाजुद्दीन और रेजिना कैसेंड्रा

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी और रेजिना कैसेंड्रा रशिक खान द्वारा निर्देशित अपकमिंग फिल्म 'सेक्शन 108' के लिए साथ काम कर रहे हैं। सिनेमावाला वेंचर्स और थ्री एरो प्रोडक्शन द्वारा निर्मित, और अनीज बज्मी द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म को देश के सबसे बड़े घोटाले के इर्द-गिर्द बताया जा रहा है। फिल्म का टीज़र 27 अगस्त को रिलीज होने वाला है। फिल्म से जुड़ी अन्य जानकारी अभी गुप्त रखी गई हैं। इस बीच नवाजुद्दीन अक्षत अजय शर्मा द्वारा निर्देशित एक क्राइम ड्रामा 'हड्डी' में दिखाई देंगे।

फिल्म में अनुराग कश्यप और इला अरुण प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म में नवाजुद्दीन ने ट्रांसजेंडर की भूमिका निभाई है। रेजिना ने तमिल फिल्म 'कांडा नाल मुधल' (2005) के साथ सहायक भूमिका में अभिनय की शुरुआत की और 'शिव मानसुलो श्रुति' (2012) के साथ तेलुगु फिल्म की शुरुआत की। उन्होंने 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' से हिंदी फिल्म में डेब्यू किया था।

एआर रहमान ने आर माधवन को बधाई दी

बॉलीवुड के सुप्रसिद्ध संगीतकार एआर रहमान ने 69वें नेशनल अवॉर्ड में आर माधवन की फिल्म रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट को बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड मिलने पर बधाई दी है। 69वें नेशनल अवॉर्ड में आर माधवन की फिल्म रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट को बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड मिला। इस अवॉर्ड के मिलने के बाद माधवन को फिल्मी दुनिया के कई लोगों ने बधाई दी है। एआर रहमान ने भी उन्हें बधाई दी है। एआर रहमान ने सोशल मीडिया पर रॉकेट्री- द नम्बी इफेक्ट की तारीफ की है। एआर रहमान ने आर माधवन को बधाई देते हुए कहा, बधाई माधवन...मुझे आज भी याद है कि जब मैं कांस में आपकी फिल्म देख रहा था...मुझे बोलना पड़ेगा...मुझे आपकी फिल्म 'ओपेनहाइमर से ज्यादा पसंद आई।

'पौरशपुर' के सीजन 2 नजर आएंगी शर्लिन चोपड़ा

एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा अपकमिंग रिलीज ड्रामा सीरीज 'पौरशपुर' के सीजन 2 की में महारानी स्नेहलता की भूमिका निभाएंगी। एक्ट्रेस ने अपने बोल्ड आउटफिट्स के लिए लगातार मिल रही आलोचना के बारे में बात करते हुए कहा कि 'पोरशपुर 2' में उनकी भूमिका ने उन्हें सशक्त महसूस कराया है। अपने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस ने अपनी एक क्लिप पोस्ट की, जिसमें उन्हें इंडियन फिल्म हिस्ट्री अवॉर्ड से सम्मानित किया जा रहा था, जिसमें उन्होंने महारानी स्नेहलता की भूमिका देने के लिए एकता कपूर और प्रोडक्शन कंपनी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मैं महारानी स्नेहलता के इस बेहद मजबूत किरदार को निभाने का मोका देने के लिए एकता कपूर और एएलटी को धन्यवाद देना चाहती हूं। मुझे अक्सर मेरे ड्रेसिंग चॉइस के लिए बुलाया जाता है, और मैं आमतोर पर केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस या प्रमोशन इवेंट में ही उनके बारे में बोलती हूं।लेकिन जो लोग मुझे ड्रेसिंग चॉइस के लिए बुला रहे हैं, मैं कहना चाहती हूं कि आज सम्मानित होने और 'पोरशपुर 2' में अपनी भूमिका के लिए, मैं पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली महसूस करती हूं।

डेटिंग पर अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने खुलकर बात की

डेटिंग और रिश्तों के बारे में अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि हाई स्टैंडर्ड रखने का मतलब नकचढ़ा होना नहीं है, बल्कि खुद को इतना महत्व देना है कि आप जान सकें कि आप किस योग्य हैं। टिंडर के स्वाइप राइड के नवीनतम एपिसोड में जान्हवी ने कहा, अपने आप से प्या र करना यह जानने के बारे में है कि आप अधिक लायक हैं, और किसी ऐसे व्यक्ति के लिए समझोता न करें जो इसे ऐसे नहीं देखता। सुंदरता सभी आकारों में आती है और खुशी अपने हर हिस्से को प्यार करने से शुरू होती है। एक मॉडर्न महिला के रूप में मैंने सीखा है कि हाई स्टैंडर्ड का होना नखरेबाजी नहीं है।

यह स्वयं को इतना महत्व देना है कि आप जान सकें कि आप किस योग्य हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब डेटिंग की बात आती है, तो ईमानदारी ही सब कुछ है। कोई खेल नहीं, सिर्फ वास्तविक संबंध होना चहिए। टिंडर की स्वाइप राइड का यह एपिसोड यह याद दिलाता है कि एक ऐसी दुनिया है, जो लेबल से प्यार करती है, लेकिन इसमें आपका मूल्य, आपका शरीर और आपके नियम मायने रखते हैं। आप एक ऐसे रिश्ते के हकदार हैं, जो आप सभी को वैसे ही प्यार करता है जैसे आप हैं।

बातचीत के दौरान जान्हवी ने बताया कि कैसे महिलाओं को अक्सर यह महसूस कराया जाता है कि वे पर्याप्त नहीं हैं, या आदर्श सौंदर्य मानकों को पूरा नहीं करती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपनी त्वचा के प्रति आश्वस्त रहना और कम पर समझोता करने से इनकार करना आत्म-प्रेम और स्वस्थ रिश्ते को बढ़ावा देने की कुंजी है। यह भावना भारत में डेटिंग करने वाली 86 प्रतिशत महिलाओं के साथ मेल खाती है, जो कहती हैं कि डेटिंग करते समय खुद को प्राथमिकता देना सही है। वे इस बारे में भी बात करते हैं कि आज किसी को जानने के लिए सिचुएशनशिप एक रोमांचक और कम दबाव वाला तरीका है। यह आज भारत में डेट करने वाली 40 प्रतिशत युवा महिलाओं के लिए सच है, जो अपनी वर्तमान डेटिंग प्राथमिकता के रूप में सिचुएशनशिप को चुनती हैं, जो अपनी शर्तों पर प्यार करने की इच्छा को दर्शाती है। उन्होंतने कहा कि जब डेटिंग की बात आती है तो आज युवा महिलाएं इस बारे में स्पष्ट रूप से सोचती हैं कि उन्हें क्या चाहिए। लोकप्रिय लेखिका सुप्रिया जोशी के साथ फिल्म निर्देशक डेवी राव द्वारा सह-निर्मित स्वाइप राइड सीरीज उन महिलाओं को एक साथ लाने का प्लेचटफार्म है।

सैयामी खेर ने 'गदर 2' में 'घूमर' का लगाया तड़का

एक्ट्रेस सैयामी खेर ने भारतीय फिल्म उद्योग में महिला-उन्मुख कहानियों के लिए मोजूदा समर्थन की कमी पर प्रकाश डालते हुए एक साहसिक रुख अपनाया है। मेगा-हिट सनी देओल-स्टारर गदर में आइकोनिक हैंड पंप सीन से प्रेरणा लेते हुए, सैयामी एक्शन कर रही हैं। वीडियो में सैयामी 'गदर' के यादगार हैंडपंप सीन को अपने अंदाज में करती हैं। वह पंप को बाहर खींचती है, और फिर घूमर स्टाइल में उसे फेंक देती है, जो उनकी लेटेस्ट फिल्म 'घूमर' की याद दिलाती है।

उनका मैसेज है, लड़कियां भी हिंदुस्तान को जीत दिलाने में सक्षम हैं। उनके पोस्ट के साथ सनी देओल को एक टेग भी दिया गया है, जिसमें

उनके प्रेरणास्रोत के लिए आभार व्यक्त किया गया है। सैयामी ने बताया,मैं घूमर को देखने वाले लोगों से मिली प्रतिक्रिया से अभिभूत हूं। मुझे उम्मीद है कि यह अधिक लोगों तक पहुंच सकेगा। यह वास्तव में अच्छी खबर है कि लोग सिनेमाघरों में वापस आ गए हैं, लेकिन मैं चाहता हूं कि महिला फिल्मों को भी उतना ही समर्थन मिले। प्रयास वही है। हम कहते हैं कि ज्यादा मिक्स्ड कंटेंट बनाने की जरूरत है, अधिक प्रतिनिधित्व की जरूरत है, लेकिन फिर जब कोई फिल्म एक महिला एथलीट पर आधारित होती है, तो उसे उसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं मिलती है। सनी सर बहुत दयालु हैं। कृपया 'गदर' देखो पर 'घूमर' भी देखो! 'घूमर' में वह एक पेराप्लेजिक क्रिकेटर की चुनोतीपूर्ण भूमिका में हैं, जो एक दुखद दुर्घटना में अपना दाहिना हाथ खो देती है। उनका किरदार उनकी यात्रा के दृढ़ संकल्प और लचीलेपन को दर्शाती है। अभिषेक बच्चन द्वारा अभिनीत अपने कोच के मार्गदर्शन में, सैयामी का किरदार विजयी होता है, अपनी टीम को जीत दिलाती है और गर्व से भारत के लिए ट्रॉफी घर लाती है।

पार्श्वगायक नहीं अभिनेता बनना चाहते थे मुकेश

दर्द भरे नगमों के बेताज बादशाह मुकेश ने अपने पार्श्वगायन ने लगभग तीन दशक तक श्रोताओं को अपना दीवाना बनाया लेकिन वह अभिनेता के तोर पर अपनी पहचान बनाना चाहते थे। मुकेश चंद माथुर का जन्म 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में हुआ था। उनके पिता लाला जोरावर चंद माथुर एक इंजीनियर थे और वह चाहते थे कि मुकेश उनके नक्शे कदम पर चलें, लेकिन वह अपने जमाने के प्रसिद्ध गायक अभिनेता कुंदनलाल सहगल के प्रशंसक थे और उन्हीं की तरह गायक अभिनेता बनने का ख्वाब देखा करते थे।मुकेश ने दसवीं तक पढ़ाई करने के बाद स्कूल छोड़ दिया और दिल्ली लोक निर्माण विभाग में सहायक सर्वेयर की नौकरी कर ली। जहां उन्होंने सात महीने तक काम किया। इसी दौरान अपनी बहन की शादी में गीत गाते समय उनके दूर के रिश्तेदार मशहूर अभिनेता मोतीलाल ने उनकी आवाज सुनी और प्रभावित होकर वह उन्हें 1940 में वह मुंबई ले आए और उन्हें अपने साथ रखकर पंडित जगन्नाथ प्रसाद से संगीत सिखाने का भी प्रबंध किया। इसी दौरान मुकेश को एक हिन्दी फिल्म ..निर्दोष (1941) में अभिनेता बनने का मोका मिल गया जिसमें उन्होंने अभिनेता-गायक के रूप में संगीतकार अशोक घोष के निर्देशन में अपना पहला गीत..दिल ही बुझा हुआ हो तो..भी गाया।

हालांकि, यह फिल्म टिकट खिड़की पर बुरी तरह से नकार दी गयी। इसके बाद मुकेश ने दुख-सुख, आदाब अर्ज जेसी कुछ और फिल्मों में भी काम किया लेकिन पहचान बनाने में कामयाब नहीं हो सके।मोतीलाल प्रसिद्ध संगीतकार अनिल विश्वास के पास मुकेश को लेकर गये और उनसे अनुरोध किया कि वह अपनी फिल्म में मुकेश से कोई गीत गवाएं। वर्ष 1945 में प्रदर्शित फिल्म 'पहली नजर' में अनिल विश्वास के संगीत निर्देशन में .. दिल जलता है तो जलने दे..गीत के बाद मुकेश कुछ हद तक अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गये। मुकेश ने इस गीत को सहगल की शैली में ही गाया था। सहगल ने जब यह गीत सुना तो उन्होंने कहा था..अजीब बात है ..मुझे याद नहीं आता कि मैंने कभी यह गीत गाया है। इसी गीत को सुनने के बाद सहगल ने मुकेश को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया। सहगल की गायकी के अंदाज से प्रभावित रहने के कारण अपनी शुरूआती दौर की फिल्मों में मुकेश सहगल के अंदाज मे ही गीत गाया करते थे लेकिन वर्ष 1948 मे नौशाद के संगीत निर्देशन में फिल्म ..अंदाज.. के बाद मुकेश ने गायकी का अपना अलग अंदाज बनाया। मुकेश के दिल में यह ख्वाहिश थी कि वह गायक के साथ साथ अभिनेता के रूप मे भी अपनी पहचान बनाये। बतोर अभिनेता वर्ष 1953 में प्रदर्शित माशूका और वर्ष 1956 में प्रदर्शित फिल्म अनुराग की विफलता के बाद उन्होने पुनः गाने की ओर ध्यान देना शुरू कर दिया ।

अखिल भारतीय यादव महासभा जिला ग्वालियर का अध्यक्ष जवाहर सिंह यादव को बनाया गया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। अखिल भारतीय यादव महासभा में यादव समाज यदुवंशी का जिला अध्यक्ष जवाहर सिंह यादव और कार्यकारिणी अध्यक्ष नागेंद्र सिंह यादव ग्वालियर डीडी नगर स्थित डी एम चिल्ड्रन स्कूल परिसर में यादव समाज की बैठक अध्यक्ष नियुक्त किया गया जिसमें उपस्थित रहे यादव समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष रुपेश सिंह यादव ने नियुक्ति पत्र देकर यह घोषणा की यादव को यह जिम्मेदारी मिलने के बाद यादव ने कहा कि हम अपने समाज को एकत्रित कर और समाज के कार्यों के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करूंगा जो जिम्मेदारी राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सोप गई है उस पर हम खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे जिसमें उपस्थित हुए पूर्व पार्षद देवेंद्र पाठक, जितेंद्र यादव, अमन यादव, आदि दो दर्जन से कार्य ज्यादा कार्यकर्ता ने नवयुक्त जिला अध्यक्ष को जिला सभी ने मनोकामनाएं दी।

दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ हैः राज्यपाल पटेल

पीएचडी की उपाधियाँ एवं 42 विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल प्रदान किए गए

ग्वालियर। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का एक महत्वपूर्ण मो? है। जहाँ से पालकों, शिक्षकों के संरक्षण और मार्गदर्शन में प्राप्त ज्ञान को संस्कारों के द्वारा समाज और राष्ट्र सेवा के पथ पर प्रवेश होता है। इस पथ पर सफलतापूर्वक चलने के लिये जरूरी है कि जीवन की चुनौतियों, अनुभवों के साथ-साथ प्राप्त ज्ञान का उपयोग कर आगे बड़ा जाए। राज्यपाल पटेल ने रविवार को ग्वालियर में जीवाजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अध्यक्ष के रूप में यह बात कही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव उपस्थित थे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रदेश के, की श्रेणी प्राप्त जीवाजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर हर्ष का अनुभव हो रहा है। समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों, उनके पालकों और गुरूजनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकी सुविधाओं को समावेशित करने और सामाजिक प्रतिबद्धता के प्रयासों की जानकारी पाकर भी हर्ष हुआ है। विद्यार्थियों के शोध प्रयासों में सहयोग करने के लिये विश्वविद्यालय स्तर पर छात्रवृत्ति राशि में ब?ोत्तरी किया जाना अनुकरणीय पहल है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय की छात्राओं के लिये प्लेसमेंट अवेयरनेस कार्यशाला, व्याख्यान माला, कौशल उन्नयन और मतदाता जागरूकता के लिये आयोजन करना भी एक सराहनीय पहल है। प्रशासनिक, एकेडमिक, शैक्षणिक उन्नयन के लिये राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ एमओयू किए जाने के लिये विश्वविद्यालय साधुवाद

का पात्र है। उन्होंने कहा कि हम सबका सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय जीवन दर्शन पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा भावी पी?ी और युवाओं को दुनिया को बदलने में सक्षम बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन की भावी सफलताओं की चमक में अपने माता-पिता और शिक्षकों के त्याग और बलिदान को सदैव याद रखें। जीवन में शिक्षा ग्रहण करने के बाद सफल जीवन जिएँ और जीवन भर अपने व्यवहार को विनम्र रखें। शिक्षित व्यक्ति से समाज अपेक्षा करता है कि उसका व्यवहार विनम्र हो और वह अपनी शिक्षा का उपयोग समाज और देश हित में करे।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश भर में ग्वालियर का संगीत और शिक्षा के क्षेत्र में अपना अलग मुकाम है। जीवाजी विश्वविद्यालय प्रदेश में श्रेणी का विश्वविद्यालय है। यहाँ से अनेक विद्यार्थियों ने शिक्षा ग्रहण कर अपना मुकाम बनाया है और प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 की सफलता से देश का गौरव बढ़ाया है। शिक्षित व्यक्ति ही समाज और देश की उन्नति में भागीदार बनता है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोविड के समय भी हमारे देश के वैज्ञानिकों ने कोविड की वैक्सीन बनाकर न केवल अपने देशवासियों को उपलब्ध कराई बल्कि अनेकों देशों में भी कोविड की वैक्सीन भेजने का गौरव देश को दिलाया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा ग्रहण करने के बाद अपने माता-पिता और गुरूजनों का सम्मान करते हुए जीवन में सफलता हासिल करें। दीक्षांत समारोह के प्रारंभ में जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अविनाश तिवारी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर भी अपने विचार रखे। इसके साथ ही विद्यार्थियो को उपदेश भी दिए। सभी विद्यार्थियों ने कुलपति के उपदेशों को जीवन में मानने की सहमति भी प्रदान की।

विधायक प्रवास के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार में विधायक सुरेन्द्र मैथानी ने ली प्रेसवार्ता

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद- भाजपा प्रत्याशी का फीडबैक लेते हुए विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर आए उत्तर प्रदेश सरकार के विधायक सुरेंद्र मैथानी

ने सिंचाई विभाग विश्राम गृह पर प्रेस वार्ता ली जिस दौरान विधायक सुरेंद्र मैथानी ने बताया कि मुझे पार्टी द्वारा जो जिम्मेदारी मिली उसके अनुसार मैंने क्षेत्र का भ्रमण किया जिसमें की बुजुर्गों ने बताया कि भाजपा के पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य ने क्षेत्र को कई सौगातें दीं जिसमें 100 विस्तरीय अस्पताल, सैनिक स्कूल,जल आवर्धन योजना,फोर लेन सड़क, किले का जीर्णोद्धार, महापुरुषों की मूर्तियां, सीसीटीवी कैमरे,नगर पालिका का नवीन भवन,मौ गोहद ,झांकरी, में नवीन थाना भवन परीक्षा तक सीसी? रोड , गांवों को सडक से जोड़ना ,सीएम राइज स्कूल की बिल्डिंग निर्माण, सहित कई कार्य क्षेत्र में देखने को मिले इतना कार्य क्षेत्र में हुआ है वहीं विधायक मैथानी जी ने कहा कि जब मैंने लालसिंह आर्य जी से चर्चा की तो उन्होंने स्वीकार किया कि मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री बनने के बाद क्षेत्र की जनता से कुछ दूरियां बन गई थी जिसका खामियाजा मुझे भुगतना पड़ा हालांकि कुछ जगह से विरोध उठ रहे है जिसमें मौ क्षेत्र के रूपाबाई गांव में पिछले दिनों कुशवाहा समाज ने विरोध किया था जहां समाज के लोगों की जब बैठक की गई तो उन्होंने सहज स्वीकार करते हुए लाल सिंह आर्य के पक्ष में वोट करने की बात मान ली वही एण्डोरी गांव में ग्रामीण विरोध कर रहे थे जहां ग्रामीणों ने कहा कि 2012-13 के चुनाव में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा एण्डोरी को टप्पा तहसील बनाने की घोषणा की थी लेकिन आज दिनांक तक इतने बड़े क्षेत्र को टप्पा तहसील नहीं बनाया गया यदि आचार संहिता से पहले टप्पा तहसील नहीं बनाया जाता तो सभी ग्रामीण भाजपा को वोट देने का विरोध करेंगे इस बात की भनक लगते ही विधानसभा प्रत्याशी लाल सिंह आर्य ग्रामीणों के बीच पहुंचे जहां उनसे चर्चा की वही विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा कि जब हमने क्षेत्र में भ्रमण किया तो पाया की कुछ लोग प्रत्याशी को वोट कर रहे हैं कुछ कमल को वोट कर रहे हैं कुछ सरकार की योजनाओं को कुछ मुख्यमंत्री को एवं कुछ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं हिंदुत्वबाद को वोट कर रहे हैं जिससे भाजपा अच्छे मतों से विजई होगी प्रेस वार्ता के दौरान मण्डल अध्यक्ष रवि शर्मा, महामंत्री आशीष शर्मा , मीडिया प्रभारी सौरभ पांडेय, ललित अग्रवाल, आकाश सोनी आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गांव के ग्रामीणों ने एण्डोरी को टप्पा तहसील बनाने को लेकर बैठक के दौरान जताया भाजपा का विरोध

दैनिक पुस्पांजली टुडे

गोहद। गोहद विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत एण्डोरी में गांव को टप्पा तहसील न बनने पर गांव में बैठक आयोजित की जिसमें ग्रामीणो ने सरकार से मांगे रखने की सहमति बनाई ग्रामीणों ने बताया कि गोहद तहसील क्षेत्र की चार सर्किलों में एण्डोरी सर्किल सबसे बड़ी है, जिसमें 29 पटवारी हल्के में हैं जबकि गोहद में 25, देहगांव में 19 एवं मौ सर्किल में 19 हल्के हैं। 19 हल्के वाली मौ सर्किल को तहसील बनाया जा चुका है जबकि गोहद तहसील में तीन सर्किलों का काम होने से तहसील के बाबू, किसानों का कार्य बहाने बनाकर लटकाते रहते हैं तथा रिश्वत लेकर ही कार्य करते हैं, मजबूरी में किसानों को रिश्वत देनी पड़ रही है ।

सन् 2008 के चुनाव में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने एण्डोरी सर्किल को टप्पा. बनाये जाने की घोषणा की थी पर उस पर कोई अमल नहीं हुआ बल्कि मौ सर्किल को तहसील बनाया गया। जब 19 पटवारी हल्का वाली मौ सर्किल को तहसील बनाया गया है तो 29 पटवारी हल्का वाली एण्डोरी सर्किल को भी तहसील बनाया जाये, जिससे किसानों का काम बिना रिश्वत के हो सके और उनको अधिक भाग-दौड़ करने की परेशानी से निजात मिल सके एण्डोरी को तहसील बनवाकर विधानसभा क्षेत्र के विकास के असंतुलन को दूर करने का कार्य करें, जिससे क्षेत्र की जनता को अपनी उपेक्षा महसूस न हो ग्रामीणों के विरोध की सूचना मिलते ही अनुसूचित जाति मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गोहद विधानसभा प्रत्याशी लालसिंह आर्य एडोरी पहुंचे जहां ग्रामीणों से चर्चा की।

वर-वधू ढूंढने के लिये अग्रवाल समाज के लोग परिचय बैठकों में आये

अग्र मिलन की 438वीं बैठक हुई

ग्वालियर। अग्रवाल समाज के लोग अब विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिये उनकी वैवाहिक उम्र के साथ ही सुयोग्य वर-वधू ढूंढने के लिये संकोच न करें और समाज की बैठकों में अवश्य आये, ताकि उनके बच्चों के लिये सुयोग्य जीवन साथी की तलाश हो सकें। इसके साथ ही अग्रवाल समाज महंगाई के इस युग में अब विवाह में फिजूलखर्ची से भी बचें। उक्त उदगार आज अग्रमिलन ग्रेटर ग्वालियर की बैठक में अग्रवाल समाज के प्रमुख लोगों ने व्यक्त किये। बैठक की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी व चिकित्सक डा. रामबाबू गोयल ने की। बैठक में विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा भी प?कर सुनाये गये व एक दूसरे को दिये गये। बैठक में आगामी 3 सितंबर से होने वाले दिव्यांग, विधवा, विधुर व उम्रदराज लोगों के सम्मेलन में अग्रमिलन द्वारा भरपूर सहयोग की बात कही गई। बैठक में अग्रवाल समाज के विनय अग्रवाल, अशोक कुमार गर्ग, शैलेन्द्र अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, नीरज मित्तल, रमेशचंद्र बंसल, संगीत कुमार अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, मनीष गर्ग, अनूप सिंघल, डा. रामजीदास गोयल, डा. लक्ष्मण दास गर्ग, किशन गर्ग, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, एसके अग्रवाल, रविन्द्र गुप्ता, डा. एसके गर्ग आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। अग्रमिलन की 438वीं बैठक कल्पना नगर सीपी कालोनी मुरार में संपन्न हुई।

439वीं बैठक छत्री मंडी में-ट्रग्रमिलन ग्रेटर ग्वालियर की 439वीं बैठक छत्री मंडी में प्रातः 8.30 बजे से विवाह सम्मेलन स्थल पर होगी। सभी अग्रमिलन के सदस्य विवाह सम्मेलन में सक्रिय सहयोग भी करेंगे।

लाड़ली बहनों को मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन का उपहार भेजा हैः कुशवाह

ग्वालियर। पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन की बेला में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना की बड़ी हुई धनराशि देकर प्रदेश भर की बहनों को रक्षाबंधन का उपहार दिया है। प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री लाड़ली बहना माता-बहनों का सम्मान बड़ाने एवं उनके जीवन में सुखद बदलाव लाने का काम कर रही है। इस आशय के विचार उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (भारत सिंह कुशवाह ने लाड़ली बहना योजना की बड़ी हुई राशि बहनों के खाते में अंतरित करने के उपलक्ष्य में आयोजित हुए कार्यक्रमों में व्यक्त किए। कुशवाह शहर के वार्ड-64 के अंतर्गत पुरानी छावनी और वार्ड-63 के अंतर्गत जलालपुर में आयोजित हुए कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद बहनों से कहा कि लाड़ली बहना योजना के तहत अब आपके खाते में हर माह 1250 रूपए आयेंगे। बड़ी हुई 250 रूपए की धनराशि मुख्यमंत्री चौहान द्वारा भेजे जाने पर गदगद महिलाओं ने इस अवसर पर राज्य मंत्री कुशवाह का राखी बाँधकर स्वागत किया। इन कार्यक्रमों में कुशवाह ने लगभग तीन करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के विधायक आकाश सक्सेना सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे। राज्य मंत्री कुशवाह ने लाड़ली बहना योजना के तहत आयोजित हुए कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एक सगे भाई की तरह प्रदेश भर की बहनों की चिंता कर रहे हैं। उन्होंने चरणबद्ध ढंग से लाड़ली बहना योजना के तहत दी जाने वाली धनराशि बड़ाकर तीन हजार रूपए तक करने का फैसला किया है। जिसकी शुरूआत रक्षाबंधन त्यौहार से कर दी गई है। कुशवाह ने कहा कि लाड़ली बहना योजना के तहत मिली धनराशि से महिलाओं की साख बड़ी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़ने का फैसला भी किया है। लाड़ली बहना योजना के तहत अब हर माह 1250 रूपए की धनराशि खाते में आयेगी। इसलिए छोटे-मोटे व्यवसाय के लिये महिलाओं को ऋण मंजूर करने में बैंकर्स भी हिचकेंगे नहीं । सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर बैंक उन्हें भी लोन मंजूर करने में देरी नहीं करेगी। राज्य मंत्री कुशवाह ने कहा कि वार्ड 64 की पुरानी छावनी सहित अन्य बस्तियों में निवासरत लगभग 1600 बहनों को लाड़ली बहना योजना का लाभ मिल रहा है।

बहनों के साथ उनका परिवार भी हो रहे हैं सशक्तः ऊर्जा मंत्री तोमर

ग्वालियर / मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत लाडली बहना सेना के सदस्यों एवं हितग्राही बहनों का वृहद महिला सम्मेलन बहोडापुर स्थित गरगज गार्डन में आयोजित किया गया। भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आथित्य में आयोजित हुए कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी इस अवसर पर हुआ। गरगज गार्डन में आयोजित हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश सरकार की लाडली बहना योजना से बहनों के साथ-साथ उनके परिवार भी सशक्त हो रहे है। घर में पैदा होने वाली कन्या भी लाडली लक्ष्मी योजना के तहत लखपति बनकर पैदा हो रही है। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कार्यक्रम में कन्या पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम में आई लगभग 1500 लाडली बहनों से राखियाँ बंधवाई और सभी बहनों का शॉल सौंपकर सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के जरिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहनों को कई बडी-बडी सौगातें दी हैं। उन्होंने कहा कि उपनगर ग्वालियर का चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। उपनगर में सडकों का जाल बिछाया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में किशन बाग रोड पर 30 बिस्तरीय अस्पताल के साथ ही सभी वार्डों में संजीवनी क्लीनिक बनाई जा रही हैं। इसके साथ ही जनकताल को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रयाग तोमर सहित चंदू सेन एवं महिला बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र जादौन सहित बडी संख्या लाडली बहने उपस्थित रहीं।

भाजपा की स्मार्ट सिटी ने महाराज बाड़ा का कर दिया कबाड़ा : देवेन्द्र शर्मा

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने ग्वालियर के ह्रदय स्थल महाराज बाड़े की दुर्दशा पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा की स्मार्ट सिटी बाड़ा को विकास के नाम पर प्रयोगशाला बनाकर कर अखाड़ा बना दिया है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने भाजपा सरकार और स्मार्ट सिटी के द्वारा महाराज बाड़ा के विकास के नाम पर जिस तरह से यातायात बाधित कर दिया है, व्यापार को चौपट कर दिया है, दुकानदारों को दुकानदारी करने के लिए मोहताज कर दिया है। आज बाड़ा की स्थिती यह कि वहां पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है, यातायात व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और उसे संभालने में लिए कोई भी यातायात पुलिसकर्मी वहां मौजूद नहीं रहता है, दोपहिया, चार पहिया वाहन कहीं से भी आ जा रहा है, जिससे बाड़े पर हर समय जाम लगा रहता है। त्यौहारो का सीजन प्रारंभ हो चुका है। दो दिन बाद राखी की त्योहार है जिसके चलते बाड़ा पर नागरिको की खरीदारी के लिए भीड़ जुट रही है, लेकिन विगड़ती ट्रेफिक व्यवस्था के कारण दुकानदारो के पास ग्राहक पहुंच नही पा रहे है और उनका धंधा चौपट होता जा रहा है। भाजपा की स्मार्ट सिटी के द्वारा महाराज बाड़ा पर ऐसा कौन सा विकास किया जा रहा है जो चार चांद लगाएगा। महाराज बाड़ा पर जिस प्रकार से सुंदरता को नष्ट करने का कार्य किया जा रहा है वह पूरी तरह निराशाजनक है, 2023 में जब कांग्रेस सरकार मे आएगी तो महाराज बाड़ा का वही स्वरूप वापस लोटाएगी, जिससे व्यापार हो सके, दुकानदारी हो सके, यातायात सुचारू रूप से चल सके। महाराज बाड़ा क्षेत्र के दुकानदारों, व्यापारियों को महाराजा बाड़े की हो रही दुर्दशा पर अपनी आवाज बुलंद करना चाहिए, यह कोई राजनैतिक मामला नही है, यह ग्वालियर की धरोहर बचाने का मामला है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478